दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 164 | सीकर, गुरुवार 13 अगस्त 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

समाज कल्याण भवन का उद्घाटन व नवनिर्मित जिम का हुआ शिलान्यास

कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। विधायक श्रवण कुमार ने बडबर ग्राम पंचायत में समाज कल्याण भवन का उद्घाटन व सार्वजनिक जिम का शिलान्यास किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास मेरी पहली प्राथमिकता होगी। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से आने वाले पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी को विजय बनाने की अपील की। विधायक कोटे से 8 लाख रुपयों की लागत से बड़बर में समाज कल्याण भवन का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम को महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष शकुंतला यादव, बुहाना पंचायत समिति के निवृत्तमान प्रधान हरिकिशन यादव, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव नीतू वर्मा, निवर्तमान सरपंच विनोद मिश्रा ने भी संबोधित किया। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष सचिन शेखावत, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रामसिंह चेतीवाल, सिंघाना शहर अध्यक्ष डीपी सैनी, पूर्व सरपंच शशिकांता, निवृतमान चेयरमैन विजय पांडे, विजय मोटू, मंडल अध्यक्ष सियाराम, रफीक खान, मंडल अध्यक्ष रंगलाल मिस्त्री, पूर्व सरपंच सुनील यादव, अशोक यादव, महावीर यादव, भँवर साहब, मामराज, कंवर सिंह, देशराज, होशियार यादव, विजय यादव, महेंद्र यादव, महावीर, कृष्ण यादव, होशियार गुर्जर, रामोतार यादव, हवासिंह यादव, रणवीर शर्मा, जोगिंदर शर्मा, दिनेश शर्मा, डॉ देवेंद्र, टिंकू, राहुल, प्रदीप शर्मा, फूलचंद शर्मा, सरदाराराम मेघवाल, बनवारीलाल, अनिल भूरिया, भोलाराम सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्काउट कार्यालय में नए भवन का लोकार्पण, विधायक ने विकास के लिए 8 लाख रुपए की घोषणा की

सुरेंद्र शर्मा

झुंझुनूं (झुंझुनूं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय परिसर में विधायक निधि से 7.50 लाख रुपए की लागत से निर्मित भवन का लोकार्पण बुधवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू रहे। अध्यक्षता जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने की। विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि स्काउट-गाइड के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और उनमें राष्ट्र व समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्काउट कार्यालय के विकास के लिए 8 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि हमें निष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण मनोयोग से अपने कार्य करने चाहिए। उन्होंने जिले में स्काउट-गाइड द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में भामाशाह डॉ. रामावतार सबलानिया को विधायक राजेंद्र भांबू और जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त अशोक कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि झुंझुनूं जिले की स्काउट-गाइड गतिविधियों का राजस्थान में महत्वपूर्ण स्थान है। यहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा ने सभी अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन सीओ स्काउट महेश कालावत ने किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, सीओ गाइड प्रियंका कुमारी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजीलाल शर्मा, हेडक्वार्टर कमिश्नर डॉ. रामावतार सबलानिया, लीडर ट्रेनर प्रहलाद राय जांगिड़, डीटीसी गाइड सुनीता बेनीवाल सहित स्काउट-गाइड, रोवर्स-रेंजर्स एवं प्रशिक्षु शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

नवयत्न **कोबरी-सार**

‘तत्काल’ आदेश एक माह तक लटका, अब जांच की मांग

महानिरीक्षक के आदेश रोकने- पालना में देरी करने का अधिकार किसको ...?

कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत

डीएलसी और ‘टेक्निकल इश्यू’ के बहाने पर उठे सवाल

सुरेंद्र शर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के महानिरीक्षक, अजमेर द्वारा 10 जुलाई 2026 को जारी ‘तत्काल प्रभाव से’ स्थानांतरण आदेश की करीब एक माह तक पालना नहीं होने का मामला अब उच्च स्तर तक पहुंच गया है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, आईजी एवं डीआईजी, पंजीयन एवं मुद्रांक तथा जिला कलेक्टर झुंझुनू को ई-मेल के माध्यम से शिकायत भेजकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग की गई है। शिकायत में 12 अगस्त को प्रकाशित समाचार टेक्निकल इश्यू खत्म, तत्काल आदेश को लटकाने की जांच कब? का हवाला देते हुए कहा गया है कि महानिरीक्षक के आदेश में 95 कार्मिकों के स्थानांतरण किए गए थे। इनमें क्रमांक 38 पर त्रिलोक सिंह का झुंझुनूं से कोटपूतली स्थानांतरण किया गया था। आदेश तत्काल प्रभाव से होने के बावजूद संबंधित कार्मिक को करीब एक माह तक कार्यमुक्त नहीं किए जाने और कोटपूतली में समय पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

पहले डीएलसी, फिर ‘टेक्निकल इश्यू’ पर सवाल

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शुरुआत में संबंधित कार्मिक को कार्यमुक्त नहीं किए जाने के पीछे डीएलसी कार्य का हवाला दिया गया। बाद में डीएलसी संबंधी कार्य पूर्ण होने और उसका प्रकाशन होने की बात सामने आने के बावजूद आदेश की पालना नहीं हुई। इसके बाद ‘टेक्निकल इश्यू’ को देरी का कारण बताए जाने का उल्लेख शिकायत में किया गया है। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि यदि वास्तव में कोई तकनीकी अथवा प्रशासनिक बाधा थी तो क्या उसके संबंध में सक्षम स्तर से लिखित अनुमति ली गई थी? यदि नहीं, तो महानिरीक्षक के तत्काल प्रभाव वाले आदेश को रोकने अथवा उसकी पालना में देरी करने का अधिकार आखिर किसके पास था?

रिकॉर्ड खंगालने की मांग

शिकायत में संबंधित अवधि की उपस्थिति पंजिका, मूवमेंट रजिस्टर, कार्यमुक्ति आदेश, कार्यभार ग्रहण रिपोर्ट, डाक रजिस्टर, ई-फाइल, फाइल नोटिंग और विभागीय पत्राचार की जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही यह पता लगाने को कहा गया है कि देरी की अवधि में संबंधित कार्मिक ने किस कार्यालय में उपस्थिति दी, किस पद पर कार्य किया तथा उसका वेतन और उपस्थिति किस कार्यालय से संचालित हुई।

‘तत्काल प्रभाव’ की पालना रोकने का अधिकार किसे?

शिकायत में यह भी जांच का विषय बनाया गया है कि महानिरीक्षक द्वारा तत्काल प्रभाव से जारी आदेश की पालना रोकने या उसमें विलंब करने का अधिकार संबंधित अधीनस्थ अधिकारी को था या नहीं। यदि किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा जानबूझकर आदेश की पालना में देरी की गई है तो उसकी जिम्मेदारी निर्धारित कर नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की मांग की गई है।

सिर्फ चार्ज दिलाना पर्याप्त नहीं

शिकायतकर्ता का कहना है कि बाद में नवागत कार्मिक को चार्ज दिला देना ही पूरे मामले का समाधान नहीं है। करीब एक माह तक आदेश की पालना क्यों नहीं हुई, किसके निर्देश पर नहीं हुई और इस दौरान विभागीय प्रक्रिया किस स्तर पर रुकी रही—इन सवालों का जवाब जांच से सामने आना चाहिए। शिकायत में यह भी मांग की गई है कि जांच पूरी होने तक संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों/कर्मचारियों को निलंबित अथवा पद से हटाकर जांच को प्रभावित होने से रोकने पर विचार किया जाए तथा दोषी पाए जाने पर कठोर विभागीय कार्रवाई की जाए।

अन्य स्थानांतरणों की भी जांच हो

शिकायत में यह महत्वपूर्ण मांग भी रखी गई है कि जांच केवल त्रिलोक सिंह के प्रकरण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि यह भी पता लगाया जाए कि 10 जुलाई को जारी 95 स्थानांतरण आदेशों में अन्य कार्मिकों के मामलों में भी तत्काल प्रभाव वाले आदेशों की पालना में देरी हुई थी या नहीं। यदि ऐसे अन्य मामले सामने आते हैं तो उनकी भी जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की गई है।

रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की मांग

मामले से जुड़े विभागीय रिकॉर्ड में बाद में किसी प्रकार का परिवर्तन अथवा हेरफेर न हो, इसके लिए संबंधित दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के निर्देश जारी करने की भी मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने समाचार पत्र में प्रकाशित तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि कराने और यदि किसी तथ्य को गलत पाया जाता है तो विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।

अब सवाल यह है कि महानिरीक्षक के आदेश के बावजूद करीब एक माह तक उसकी पालना क्यों रुकी रही और इस देरी की जवाबदेही किसकी है? शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद अब निगाहें विभागीय जांच और कार्रवाई पर टिकी हैं।

भाजपा के संस्थापक सदस्य बसंतलाल मोरवाल की 8वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

सुरेंद्र शर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। भारतीय जनता पार्टी के जिले के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय बसंतलाल मोरवाल की 8वीं पुण्यतिथि पर गांधी चौक स्थित टिबड़ेवाल हवेली में भाजपा एवं सर्व समाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र भांबू सहित भाजपा कार्यकर्ताओं और शहर के गणमान्य लोगों ने स्व. मोरवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि बसंतलाल मोरवाल जिले में भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। पार्टी के शुरुआती कठिन दौर में उन्होंने मेहनत और लगन के साथ कार्यकर्ताओं को प्रेरित कर संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अन्य पदाधिकारियों के साथ घर-घर जाकर भाजपा की विचारधारा, रीति-नीति और राष्ट्रवाद की भावना से लोगों को अवगत कराते थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश खाजपुरिया, विश्वंभर पूनिया, शहर मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा, उमाशंकर महमिया, विपुल छक्कड़, रामगोपाल महमिया, सुरेंद्र सिंह बड़ाऊ, संजय मोरवाल, अर्जुन वर्मा, वीरेंद्र साह, श्रीराम कुमावत, जाकिर चौहान, राजकुमार मोरवाल सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि स्व. मोरवाल जिले में भाजपा की नींव की ईंट थे। उन्होंने जीवनभर पार्टी को मजबूत करने के लिए संघर्ष किया।

स्टार एकेडमी में स्टूडेंट्स ने चुने अपने हेड बॉय और हेड गर्ल

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। जिला मुख्यालय के बाकरा रोड़ स्थित स्टार एकेडमी स्कूल में बुधवार को नेतृत्व अलंकरण सम्मान समारोह बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। समारोह का उद्देश्य विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सहशैक्षणिक गतिविधियों में छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सेवा भाव के गुण विकसित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के सम्पूर्ण विद्यार्थियों को लिटरेसी, एस्थेटिक, कल्चरल, स्पोर्ट्स, सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी आदि पाँच क्लब के साथ शौर्यए तेजसए आरोहण तथा रिद्धि चार सदनों में बाँटा गया व नव.निर्वाचित छात्र परिषद को पद और जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। हेड बॉय कक्षा बारह से अनुराग जांगिड़, हेड गर्ल कक्षा बारह से गरिमा शेखावत को चुना गया। साथ ही शौर्य हाउस कैप्टन कक्षा ग्यारह से यशवर्द्धन व वाइस कैप्टन कक्षा नौ से पूर्वा शर्मा को, तेजस हाउस कैप्टन कक्षा ग्यारह से संदेश शर्मा व वाइस कैप्टन कक्षा नौ से निकिता कुमारी को, आरोहण हाउस कैप्टन कक्षा ग्यारह से आदेश खींचड़ व वाइस कैप्टन कक्षा नौ से भूमि को, रिद्धि हाउस कैप्टन कक्षा ग्यारह से युवराज चौधरी व वाइस कैप्टन कक्षा नौ से मुस्कान को और लिटरेसी क्लब परफेक्ट कक्षा नौ से मानवी सैनी व रिशिका को, एस्थेटिक क्लब परफेक्ट कक्षा आठ से लतिका जांगीड़ व विशु चौधरी, कल्चरल क्लब परफेक्ट कक्षा आठ से टीसा टीबड़ेवाल व कक्षा आठ से नवी झाझड़िया को, स्पोर्ट्स क्लब परफेक्ट कक्षा नौ से पार्थ शर्मा व हिमांशु को, सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी क्लब परफेक्ट कक्षा आठ से यश व लक्ष्य सोनी को बैज, सैश देकर अलंकृत किया गया। अलंकरण के बाद सभी अलंकृत छात्र-छात्राओं ने मंच पर शपथ ली कि वे विद्यालय के नियमों का पालन करेंगे और अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगे। एकेडमिक डायरेक्टर मोनिका निर्वाण ने अपने संबोधन में कहा कि नेतृत्व का अर्थ शासन करना नहीं बल्कि सेवा करना है। मुझे विश्वास है कि हमारी नई छात्र परिषद स्कूल का नाम रोशन करेगी। कार्यक्रम में छात्रों ने नेतृत्व विषय पर देशभक्ति नृत्य और नाटक भी प्रस्तुत किया। अंत में शपथ ग्रहण व मार्च पास्ट के साथ समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर मैनेजमेंट पदाधिकारियों के साथ एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेटर विकास भालोठिया, कैप्टन मूलसिंह झाझड़िया, संजय जांगिड़, हरिश चंद्र कालोइया, करम सिंह, श्वेता शर्मा, मुकेश तानेनिया, प्रतिभा शर्मा, अमित जांगिड़, मुनेश झाझड़िया, राजेन्द्र जाखड़, सोहन सिंह, मदन सिंह चारण, विजेन्द्र सिंह, शिवकुमार पालीवाल, विक्रम सिंह, कविता पूनिया, महेंद्र सिहाग, संजय गरवा, पिंकी जांगिड़, कैफ, महेंद्र बेनीवाल, नवीन सैनी, सैनीगल, पपीता, ज्योति सैनी, दीपिका कुमारी, महिमा शर्मा, अनिता कुमारी, सीमा कंवर, सुमन कुमारी, पवन कुमार, कृष्णा धाकड़, मनीषा बलौदा, नीतू जानू, सविता सैनी, मोनिका जांगिड़, नेहा अग्रवाल, पुष्पा कंवर, रिशु, पिंकी, प्रहलाद सिंह आदि समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

31 हजार पौधारोपण का संकल्प पूरा, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर अभियान का समापन

माली सैनी समाज संस्था ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पेश की मिसाल, जिलेभर में जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने निभाई भागीदारी

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न) माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्ष 2026-27 में पांच चरणों में 31 हजार पौधे लगाने का संकल्प बुधवार को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर पांचवें चरण के साथ पूरा हुआ। अंतिम चरण में संस्था पदाधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्था जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, खुड़ाना में विद्यालय स्टाफ के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पांचवें चरण का समापन किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं स्टाफ को पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण के लिए प्रेरित किया। अशोक नगर में संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश बगड़ ने अपने कृषि फार्म हाउस पर पांच पौधे लगाए। चिड़ावा में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसआई बाबूलाल सैनी ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। सामाजिक कार्यकर्ता गिरधारी लाल सैनी कांकरिया ने सार्वजनिक स्थलों पर वट, नीम और पीपल के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी क्रम में सिंघाना में संस्था के ब्लॉक अध्यक्ष डीपी सैनी ने पौधारोपण किया। झुंझुनूं ब्लॉक संगठन मंत्री रामावतार सैनी ने कालेरी ढाणी स्थित अपने फार्म हाउस पर पौधे लगाए।

पहले 11 हजार, फिर 21 हजार और अब 31 हजार का लक्ष्य

महेन्द्र शास्त्री ने बताया कि संस्था के गठन के बाद से ही पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए लगातार पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। संस्था के प्रथम वर्ष में 11 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे पूरा किया गया। दूसरे वर्ष 21 हजार पौधों का लक्ष्य रखा गया। वहीं वर्ष 2026-27 में पांच चरणों में 31 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया गया, जिसे 12 अगस्त को पांचवें चरण के साथ पूरा कर लिया गया।

जिले से बाहर कार्यरत समाजजनों ने भी लिया हिस्सा

अभियान में झुंझुनूं जिले के विभिन्न क्षेत्रों के साथ जिले से बाहर कार्यरत समाज के कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी भागीदारी निभाई। समाज के कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर पौधारोपण कर अभियान को व्यापक रूप दिया।

क्या आपका बच्चा भी दूसरों से करता है गलत व्यवहार? ऐसे बच्चों को सुधारने के आसान तरीके

क्या आपका बच्चे अपने उम्र के बच्चों को पीटता है? क्या वह चोरी-छिपे दूसरों को नुकसाना पहुंचाता है? क्या वह दूसरों के खिलौने तोड़ता है? अगर आपका बच्चा दूसरों के साथ इसी तरह पेश आता है, तो समझ जाइए कि आपका बच्चे का व्यवहार दूसरों के साथ बहुत बुरा है। इस तरह व्यवहार करने की वजह से वह दूसरों का दोस्त नहीं बन सकता, किसी के साथ आसानी से घुलमिल नहीं सकता। ऐसे बच्चों का मानसिक विकास सही तरह से नहीं होता है। चूंकि इस तरह के बच्चे अक्सर अकेले और तन्हा रहते हैं, इसलिए इनके अंदर नकारात्मकता काफी ज्यादा भर जाती है। इनकी यह आदत अगर समय रहते न बदली जाए, तो बड़े होने के बावजूद इनकी आदतों में सुधार नहीं होता है, जो कि सही नहीं है। ऐसा आपके बच्चे के साथ न हो, इसलिए समय रहते उसकी आदतों जरूरी बदलाव करें।

संयमित व्यवहार करें : कई बार बच्चे इसलिए गुस्सैल हो जाते और दूसरों के साथ गलती व्यवहार करने लगते हैं, क्योंकि उनके पेरेंट्स उनके साथ अच्छी तरह पेश नहीं आते। छोटी-छोटी गलती पर बच्चे को बहुत ज्यादा डांट-फटकार लगाते हैं। इससे अलग, पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों के साथ अच्छी तरह और संयमित व्यवहार करें। अगर किसी वजह से बच्चे से गलती हो गई है, तो उसे समझाने की कोशिश करें। उसने क्या और क्यों गलत किया है, उसे बताएं। ऐसा करने से उसका गुस्सा कम होगा और दूसरों के साथ वह बदतमीजी भी नहीं करेगा।

सजा देने से बचें : बच्चों को सजा देना, कभी भी किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता है। सजा देने से बच्चा ढीट हो जाता है। यहां तक कि बारा-बार सजा मिलने की वजह से वह अपने पेरेंट्स से छिपकर गलतियां करता है। इस तरह उसकी आदत खराब होती चली जाती है। उसे समझ ही नहीं आता कि वह कब दूसरों के साथ गलत व्यवहार करने लगता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे में ऐसी आदत डेवेलप न हो, तो जरूरी है कि उसकी हर गलती पर उसे सजा न दें। इसके बजाय अनजाने में की गई गलतियों को सुधारने का मौका दें।

अपमान न करें : कई बार पेरेंट्स अपने बच्चों को सही सबक सिखाने के लिए दूसरों के सामने अपमान करते हैं। जरा आप सोचकर देखिए कि क्या ऐसा करना सही है? जी, नहीं। अपने बच्चों का अपमान कभी नहीं करना चाहिए, खासकर दूसरों के सामने ऐसा करना बच्चे के बालमन पर ठेस पहुंचाने जैसा है। बार-बार अपमानित होने की वजह से बच्चा गुस्सैल और आक्रामक हो जाता है। खुद पर संयम न रख पाने के कारण वह दूसरों के साथ गलत व्यवहार करने लगता है।

हतोत्साहित न करें : कहते हैं बच्चों के पहले चीयर लीडर उनके पेरेंट्स होते हैं। जी, बिल्कुल! अगर आप अपने बच्चे को मोटिवेट नहीं करेंगे, तो सोचिए कौन करेगा? आप अपने बच्चे को उसके हर काम के लिए प्रोत्साहित करें। उसे लग सकता है कि उसके पेरेंट्स उसके किसी काम से खुश नहीं होते या फिर वह खुद किसी काम में बेहतर नहीं है।

हर काम में हारने की भावना उसे दूसरों के साथ गलत व्यवहार करने के लिए मजबूर करती है। आपकी जरा सा प्रोत्साहन उसे बेहतर इंसान बना सकता है।

नाभि में हल्दी लगाने से मिलते हैं ये खास फायदे

हल्दी में कई औषधीय गुण होते हैं। तमाम समस्याओं में भी हल्दी के सेवन या लेप से लोगों को आराम मिलता है। हल्दी में कैल्शियम, फास्फोरस, सोडियम, पोटैशियम और आयरन जैसे कई तत्व मौजूद होते हैं। इसके अलावा हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो पाचन क्रिया से लेकर त्वचा की समस्याओं में भी कारगर है। इसके अलावा आप हल्दी का कई प्रकार से उपयोग भी कर सकते हैं।

इंफेक्शन से करे बचाव

हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो, सर्दियों के मौसम में कई तरह की वायरल बीमारियां और सर्दी-जुकाम ठीक करने में आपकी मदद करता है। नाभि पर हल्दी और सरसों का तेल मिलाकर लगाने पर बीमारियां दूर रहती है। इसके अलावा सर्दी-खांसी में भी जल्दी राहत मिलती है।

पाचन तंत्र में सहायक

पाचन तंत्र शरीर के सबसे जरूरी भागों में से एक है। अगर खाने का सही ढंग से पाचन न हो तो शरीर में कई बीमारियां हो सकती है और हम जानते हैं कि हल्दी में फाइबर की मात्रा भी पाई जाती है। भोजन पचाने के लिए फाइबर एक जरूरी तत्व है। इसलिए पेट दर्द या अपच की स्थिति में आप नाभि पर हल्दी रखकर आराम कर सकते हैं।

पीरियड्स में दर्द से राहत

हम जानते हैं कि नाभि हमारे शरीर का मुख्य केंद्र होता है। कई महिलाओं को पीरियड्स के दौरान असहनीय दर्द और पेट में ऐंठन की शिकायत होती है। ऐसे में आप अगर नाभि में हल्दी का इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपको पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और परेशानी में लाभ मिलेगा।

पेट में सूजन या घाव होने पर

अपच या कब्ज के कारण पेट में दर्द या सूजन की समस्या हो रही है तो आप नाभि पर हल्दी और नारियल का तेल मिलाकर लगा सकते हैं। इससे आपको सूजन में भी राहत मिलेगी। इसके अलावा नाभि में घाव होने पर भी आप हल्दी का लेप लगा सकते हैं।

इम्यूनिटी सिस्टम रखे मजबूत

हल्दी में कई एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो, रोगों से लड़कर आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं। इसके लिए आप रात में नाभि में हल्दी लगाकर सो सकते हैं। इसके अलावा हल्दी वजन कम करने में भी मदद करता है।

प्रेगनेंसी के दौरान हो सकती हैं त्वचा से जुड़ी ये समस्याएं

प्रेगनेंसी हर महिला के लिए सबसे खूबसूरत अहसास होता है। लेकिन इस दौरान उन्हें कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही प्रेगनेंसी में महिलाओं को त्वचा से संबंधित समस्याओं से भी जूझना पड़ता है। महिलाओं की त्वचा डल होने लगती है। दाग-धब्बों और पिगमेंटेशन की समस्या बढ़ जाती है। कुछ महिलाओं की एड़ियां भी फटने लगती हैं। इतना ही नहीं कुछ महिलाओं के पेट के आस-पास वाले हिस्से में खुजली होने लगती है।

कील-मुहांसे : प्रेगनेंसी के दूसरे और तीसरे महीने में महिलाओं के शरीर में हार्मोन बदलाव होते है। इसकी वजह से उनके चेहरे पर कील-मुहांसों की समस्या बढ़ जाती है। दरअसल, प्रेगनेंसी में त्वचा में सीबम का उत्पादन अधिक होता है और पोर्स बंद हो जाते हैं। इससे भी मुहांसों की समस्या बढ़ती है।

प्रेगनेंसी में ड्राय स्किन : गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की त्वचा काफी ड्राय या रूखी हो जाती है। दरअसल, इस समय भ्रूण भी मां के शरीर से पानी प्राप्त करता है और अगर मां कब पानी पीती हैं, तो शरीर में पानी की कमी होने लगती है। इससे स्किन ड्राय या रूखी हो जाती है।

पेट की त्वचा में खिंचाव : प्रेगनेंसी में महिलाओं के पेट की त्वचा में भी खिंचाव पैदा होता है। जैसे-जैसे गर्भावस्था का समय बढ़ता है, वैसे-वैसे पेट की त्वचा में खिंचाव पैदा होता है और इससे खुजली होने लगती है।

स्किन एलर्जी : प्रेगनेंसी में स्किन बहुत सेंसिटिव हो जाती है, इससे स्किन एलर्जी की समस्या बढ़ने लगती है। इसलिए आपको स्क्रब और डियोडरेंट के इस्तेमाल से बचना चाहिए। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से भी बचें।

गर्दन की त्वचा का काला पड़ना : प्रेगनेंसी में हार्मोनल बदलाव की वजह त्वचा में पिगमेंटशन की समस्या बढ़ जाती है। इस दौरान आर्मपिट्स और गर्दन की त्वचा का रंग काला पड़ जाता है। त्वचा का रंग काला पड़ना भी प्रेगनेंसी की वजह से हो सकता है।

स्ट्रेच मार्क्स : प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं में स्ट्रेच मार्क्स की समस्या होना बहुत सामान्य है। दरअसल, जैसे-जैसे बच्चे का विकास होता है, पेट की त्वचा में खिंचाव होता है। इससे इलास्टिक फाइबर टूट जाते हैं और महिलाओं के पेट पर स्ट्रेच मार्क्स नजर आने लगते हैं। जब बच्चे का वजन बढ़ता है, तो स्ट्रेच मार्क्स भी बढ़ सकते हैं।

प्रेगनेंसी में मेलाज्मा : मेलाज्मा प्रेगनेंसी के दौरान त्वचा की सबसे गंभीर समस्या है, इसे प्रेगनेंसी मास्क भी कहा जाता है। इसमें चेहरे पर पिग्मेंटेशन की समस्या हो जाती है। सूरज की किरणें, एस्ट्रोजन का बढना इस समस्या के कारण हैं। ऐसे में आपको इस समस्या से बचने के लिए धूप से बचना चाहिए।

प्रेगनेंसी में स्किन की देखभाल कैसे करें :

- प्रेगनेंसी में अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए ढेर सारा पानी पिएं और शुगर लोडेड चीजों से परहेज करें।
- कील-मुहांसों की समस्या से निजात पाने के लिए लैक्टिक बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें।
- पेट में खिंचाव की वजह से अगर आपको खुजली महसूस हो, तो इसके लिए किसी ऑर्गेनिक ऑयल से पेट की मालिश कर सकती हैं।
- कैमिकल युक्त स्किन केयर और हेयर केयर प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से आपको बचना चाहिए।
- गर्दन के कालेपन से बचने के लिए धूप में कम से कम निकलें। साथ ही सनस्क्रीन रोजाना लगाएं। दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए हेल्दी स्किन केयर रूटीन को जरूर फॉलो करें।
- रात को मेकअप जरूर रिमूव करें। इससे पूरे दिन का डर्ट स्किन से निकल जाएगा।
- स्ट्रेच मार्क्स की समस्या से बचने के लिए पेट, जांघों और हिप्स के आस-पास को अच्छी तरह से मॉयश्चराइज करें।
- दिन में अपनी त्वचा को 2 बार गुनगुने पानी से जरूर धोएं।
- प्रेगनेंसी में अपनी सेहत और त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए हेल्दी डाइट लें। फलों और सब्जियों का अधिक मात्रा में सेवन करें।
- जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड और अधिक तला-भुना खाने से बचें।

दालचीनी के चूर्ण, पत्ते और तेल से बनाएं आयुर्वेदिक लेप, इसे लगाने से दूर हो सकती हैं आपकी ये समस्याएं

सेहत को स्वस्थ और तंदुरुस्त बनाए रखने के लिए हम न जानें क्या-क्या नहीं करते। ऐसे में हम आपको बता दें कि रसोई में मौजूद दालचीनी से बना लेप आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। बता दें कि दालचीनी के अंदर एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं वहीं इसके अंदर ऊर्जा, प्रोटीन, फैट, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम, सोडियम, जिंक, मैंगनीज, कॉपर, विटामिन सी, विटामिन बी 6, विटामिन ए आदि तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए बेहद उपयोगी हैं।

सिर दर्द से राहत : सिर दर्द से परेशान लोग दालचीनी का सेवन कर सकते हैं। हालांकि दालचीनी के 8-10 पत्तों को पीसकर बने लेप से भी सिर के दर्द को दूर किया जा सकता है। ऐसे में आप दालचीनी के पत्तों से बने लेप को माथे पर लगाएं और जब लेप सूख जाए तो मिश्रण को धोकर साफ कर लें।

साइनस का दर्द हो दूर : आज के समय में ज्यादातर लोग साइनस की समस्या से परेशान हैं। ऐसे में साइनस के दर्द से राहत दिलाने में दालचीनी आपके बेहद काम आ सकती है। ऐसे में आप दालचीनी और पानी को एक साथ पीस लें और बने लेप को माथे पर लगाएं। थोड़े समय बाद साधारण पाने से धो लें। ऐसा करने से साइनस के दर्द से राहत मिल सकती हैं।

सूजन से राहत : सूजन की समस्या को दूर करने में दालचीनी का लेप आपके बेहद काम आ सकता है। ऐसे में आप दालचीनी को पानी में मिलाकर एक लेप तैयार करें और उस लेप को प्रभावित स्थान पर लगाएं।

ब्लड शुगर बढ़ने से बढ़ सकता है बहरेपन का खतरा

शुगर की बीमारी बेहद आम होती जा रही है। इस बीमारी में ब्लड शुगर यानी रक्त शर्करा का स्तर अनियंत्रित रूप से घटता-बढ़ता रहता है, जिसके कारण हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, किडनी फेलियर और मल्टीपल ऑर्गन फेलियर जैसी जानलेवा स्थिति का खतरा भी बढ़ जाता है। ब्लड शुगर बढ़ने की वजह से हार्ट डिजीज, स्किन खराब होना, किडनी का ठीक प्रकार से काम न करना आदि ? कई अन्य बीमारियों का जन्म होता है। डायबिटीज के चलते लोग ऐसी जिंदगी जीने लग जाते हैं जिसमें न स्वाद है और न ही हेल्थ है।

स्वास्थ्य विषेशज्ञों की मानें तो मधुमेह का कोई इलाज भी नहीं है। मधुमेह बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर में ब्लड शुगर बढ़ने से कई गंभीर बीमारी होने का खतरा रहता है। ब्लड शुगर को 'धीमा जहर' भी कहा जाता है। इंडियन डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार, भारत में लगभग 7 करोड़ लोग इस बीमारी के शिकार हैं। ब्लड शुगर बढ़ने से नजर में धुंधलापन, बहुत ज्यादा थकान होना और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं आम होने लगती हैं।

सुनने की क्षमता कम होना : डायबिटीज़ की बीमारी तब होती है जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन का निर्माण नहीं हो पता, नतीजतन आपके खून में ग्लूकोज़ या शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल की वजह से कई समस्याएं हो सकती है। जिससे व्यक्ति को सुनने में परेशानी हो सकती है। ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर बढ़ने से और ब्लड लिपिड के कारण कान के अंदरूनी हिस्से में ब्लड वेसल में ब्लॉकेज आ जाती है जिससे व्यक्ति को सुनाई देना बंद हो जाता है। ज्यादातर लोगों को शुरुआत में खुजली महसूस होती है, जिससे किसी एक कान में असामान्य आवाज़ सुनाई पड़ सकती है और धीरे-धीरे सुनने की क्षमता पूरी तरह से कम हो सकती है। यह स्थिति विशेषकर 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिखायी पड़ती है और जिनका ब्लड शुगर लेवल भी अनियंत्रित है। उनमें भी यह समस्या होती है।

हरी सब्जियों का सेवन करें : डायबिटीज के मरीजों को हरी सब्जियों यानी पालक, करेला, लोकी और गोभी का सेवन करना चाहिए। क्योंकि इनमें विटामिन, बीटा कैरोटीन और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा होती है।

चीनी से दांत होते हैं खराब मीठी चीजों से बना लें दूरी

मिठाई मत खाओ, तुम्हारे सारे दांत सड़ जाएंगे एक वाक्यांश है जिसे आपने बचपन में सुना होगा। यदि आप पेरेंट्स हैं, तो आपने यह कहा भी होगा। वास्तव में, बहुत अधिक चीनी खाने से दांतों को काफी नुकसान होता है, इसलिए इस तरह की सलाह दी जाती है। लेकिन, इन तमाम चेतावनियों के साथ क्या आपने कभी सुना है कि चीनी इतनी हानिकारक क्यों हो सकती है? चीनी हमारे द्वारा खाए जाने वाले बहुत सारे फूड्स और ड्रिंक्स का हिस्सा है। इसलिए आपको जितना हो सके इससे बचना चाहिए।

दांतों में कैविटी कैसे बनती है

क्या आप जानते हैं कि आपका मुंह बैक्टीरिया से भरा होता है? यह बिल्कुल सच है। कुछ आपके मुंह के लिए अच्छे होते हैं। अन्य, थोड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। हानिकारक बैक्टीरिया चीनी और कार्बोहाइड्रेट पर बढ़ते हैं, जिन्हें स्टार्च के रूप में भी जाना जाता है। साथ ही, ये एसिड बनाते हैं, जो बैक्टीरियल इंफेक्शन में बदल सकता है। बैक्टीरियल इंफेक्शन दो तरह से काम करता है। सबसे पहले, ये इनेमल (आपके दांत की चमकदार बाहरी परत) को नुकसान पहुंचाते हैं। दूसरा, अगर इलाज नहीं किया जाए, तो ये बैक्टीरियल इंफेक्शन कैविटी में बदल जाते हैं। ये आपके दांतों की गहरी परतों में चले जाते हैं और होल बनाते हैं, जिससे दर्द होता है और दांतों को नुकसान हो सकता है।

चीनी का सेवन मेरे दांतों पर कैसे असर करता है

चीनी निश्चित रूप से दांतों के खराब होने की सबसे आम वजह है। यह मुंह में बैक्टीरिया और सलाइवा के संपर्क में आती है और प्लाक का कारण बनती है। प्लाक पर चीनी की क्रिया एसिड का उत्पादन करना और दांतों के इनेमल युक्त कैल्शियम को गलाना होता है।

मुंह के अन्य हिस्सों पर इसका क्या प्रभाव होता है

चीनी न केवल दांतों को प्रभावित करती है, बल्कि इसकी एसिडिक प्रकृति और प्लाक युक्त बैक्टीरिया के इकट्ठा होने के कारण मसूड़ों की बीमारी हो सकती है। चीनी के ज्यादा और रेगुलर सेवन से, मसूड़ों की बीमारी ब्लीडिंग, फूले और सूजे हुए मसूड़ों और यहां तक कि शुरुआत में सांसों की बदबू के रूप में दिखाई देती है। ज्यादा और रेगुलर प्रोसेस्ड चीनी शरीर में लगभग हर प्रणाली को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

चीनी के अन्य रूपों का दांतों पर क्या असर होता है?

नेचुरल चीनी भी वही प्रभाव पैदा कर सकती है, जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है। लेकिन, फाइबर से भरपूर फल भले ही मीठे हों, उनमें खुद की क्लीनिंग करनी की क्षमता होती है, जो दांतों को नुकसान को सीमित करते हैं।

क्या यह डैमेज रिवर्सेबल होता है

चीनी से होने वाली डैमेज शुरू में सीमित होते है और नेचुरल सलाइवा में इसके एसिडिक प्रभावों को बेअसर करने के लिए मिनरल्स होते हैं। इसलिए थोड़ी मात्रा में चीनी का सेवन करने के बाद कुल्ला या ब्रश करने से दांतों या शरीर के बाकी हिस्सों को कोई नुकसान नहीं होता है। लेकिन, खराब हाइजीन उपायों से काफी नुकसान हो सकता है।

क्या इससे बचने के कोई उपाय हैं

- अगर आप चीनी का सेवन कम नहीं कर सकते हैं, तो सही तरीके से ब्रश करना और हाइजीन आदतों को अपनाना जरूरी होता है।
- चीनी या किसी भी भोजन को खाने के तुरंत बाद कुल्ला करना या पानी पीना दांतों की समस्याओं को रोकने के लिए सबसे अच्छी आदत है।
- प्लाक के निर्माण को रोकने के लिए दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए फ्लॉसिंग करें।
- मिठाई का सेवन सीमित करना विशेष रूप से चीनी युक्त जूस या ड्रिंक अच्छा होता है।

इन एंटी-एजिंग योगासनों से झुर्रियां होंगी कम

योग एक ऐसा समग्र विज्ञान है जो शरीर को जीवंत रखता है, ब्लड फ्लो में सुधार करता है और त्वचा पर एक स्वस्थ आभा लाता है। योगासनों में हम शरीर को तरह-तरह से मोड़ते हैं आगे पीछे झुकते हैं, जिससे आंतरिक अंगों की मालिश होती हैं और हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं। प्राणायाम से ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे चेहरे का ग्लो बढ़ता है और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया थम सी जाती है। इन योगासनों की जानकारी अक्षर योग संस्थान के योग और आध्यात्मिक गुरु हिमालयन सिद्ध अक्षर ने शेयर की है। बढ़ती उम्र के संकेतों को रोकने और हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए निम्नलिखित आसनों को करना चाहिए।

उष्ट्रासन

- इसे करने के लिए मैट पर घुटने रखें।
- हाथों को हिप्स पर रखें।
- पीठ को झुकाएं।
- हथेलियों को पैरों पर तब तक स्लाइड करें जब तक कि बाजुएं सीधी न हो जाएं।
- गर्दन को मोड़ें नहीं बल्कि इसे सीधा रखें।
- सांस छोड़ें और धीरे-धीरे प्रारंभिक आसन में वापस आ जाएं।

हलासन

- इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं।
- हथेलियों को शरीर के साइड में फर्श पर रखें।
- पेट की मसल्स का इस्तेमाल करते हुए पैरों को 90 डिग्री ऊपर उठाएं।
- हथेलियों को फर्श पर मजबूती से दबाएं और पैरों को सिर के पीछे रखें।
- मध्य और पीठ के निचले हिस्से को फर्श से ऊपर उठाएं ताकि पैर की उंगलियां सिर के पीछे के जमीन को छू सकें।
- चेस्ट को चिन के जितना संभव हो करीब लाने की कोशिश करें।
- हथेलियां फर्श पर सपाट रह सकती हैं, लेकिन हाथों को कोहनी पर मोड़ा जा सकता है और आराम के स्तर के अनुसार हथेलियों से पीठ को सहारा दिया जा सकता है।

जेजेटी यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस आयोजित

निलेश मुद्गल

झुंझुनूं (नवयत्न)। जेजेटी यूनिवर्सिटी में सेंट्रल लाइब्रेरी एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ एस आर रंगनाथन की 134 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अरुण कुमार व डॉ रामप्रताप सैनी रहे जबकि चेयरपर्सन डॉ विनोद टीबड़ेवाला ने टेलीफोनिक आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में पुस्तकालय प्रभारी डॉ महेश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने पुस्तकालय के उपयोग से होने वाले ज्ञान के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि नियमित रूप से अगर कोई विद्यार्थी पुस्तकालय में आकर ज्ञानवर्धक पुस्तक पढ़ता है तो निश्चित ही वह अपने एजुकेशन के क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है और अपना रास्ता स्वयं तय कर सकता है। इस अवसर पर प्रेसिडेंट डॉ मधु गुप्ता और रजिस्ट्रार डॉ अजीत कुमार ने इस आयोजन की सराहना की। उन्होंने इसे विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए एक बेहतरीन प्रयास बताया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ एन के सोनी ने सभी अतिथियों, स्टाफ और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर पुस्तकालय स्टाफ प्रदीप चांगिल, मुकेश कुमार, सुधीर कुमार, अशोक कुमार, फरियाद अली व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जमीन पर कब्जा करने को लेकर जमालपुरा में हुआ खूनी संघर्ष

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। तहसील के जमालपुरा क्षेत्र में जमीन पर कब्जा करने के विवाद को लेकर बुधवार को दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों ओर से आपस में चली लाठियों से दो व्यक्ति घायल हो गए। दोनों घायलों को लाडनूं के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। यह खूनी संघर्ष जमालपुरा में स्थित एक भूखंड पर कब्जा करने को लेकर हुआ। विवाद के चलते दोनों पक्षों के बीच परस्पर लाठी-डंडे चलाए गए और हवा में रिवॉल्वर लहराकर फायरिंग करने का भी नाकाम प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों का आरोप है कि दूसरा पक्ष जबरन उनके भूखंड पर अपना कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। इसे लेकर दोनों पक्ष जमीन के मौके पर ही परस्पर भिड़ गए और इस जमीनी विवाद ने हिंसक रूप धारण कर लिया। मौके पर कब्जे की बात को लेकर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। आक्रोशित भीड़ ने दो कैम्पर गाड़ियों को पलटकर उनके शीशे तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। झगड़े की सूचना मिलते ही लाडनूं पुलिस मौके पर पहुंच गई। सहायक पुलिस निरीक्षक गजेंद्र सिंह ने मौके पर मोर्चा संभाला और हालात को काबू में किया। पुलिस ने घटनास्थल पर झगड़ा करने पहुंचे लोगों की 6 बाइक और 2 कैंपर गाड़ियों को वहां से जब्त किया है। अब पुलिस इस मामले में जमीन से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों के आधार आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

राजकीय पुस्तकालय में मनाई एस आर रंगनाथन जयंती

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी के राजकीय पंचायत समिति सार्वजनिक पुस्तकालय में एस आर रंगनाथन की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधेश्याम भारती थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गोविंद राम हरितवाल ने की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों ने एस आर रंगनाथन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारती ने पुस्तकालय और पाठक को एक दूसरे का पूरक बताते हुए कहा कि बिना पाठक के पुस्तकालय और पुस्तकालय के बिना पाठक अपूर्ण है। उन्होंने पाठकों को सुझाव दिया कि वह मन लगाकर अपने लक्ष्य को हासिल करे। खेतड़ी के पाठकों के लिए पुस्तकालय को कई मायनो में उपयोगी है। इस अवसर पर पूर्ववर्ती पुस्तकालय अध्यक्ष चंद्रभान, सांवरमल सुभाष शर्मा का जिक्र करते हुए पुस्तकालय विकास की निरंतर प्रगति से रूबरू कराया। पुस्तकालय अध्यक्ष चौथमल सैनी ने एस आर रंगनाथन के पांच प्रतिपादित सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर ज्योति, साक्षी जिलोवा, सीमा और पूजा आदि ने भी अपने विचार प्रकट किया।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथियों ने रंगनाथन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इतिहासकार गोविंद हरितवाल ने पाठकों को मन लगाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का सुझाव दिया। इस मौके पर राजेंद्र गुर्जर, नागरमल सैनी, उमा सैनी, विशाल सैनी, मोहर सिंह गुर्जर, लोकेंद्र, मोहित कुमार, विकास, रोहित सैनी, विशाल, रेखा, पूजा सैनी, निशा सैनी, साक्षी स्वामी सहित अनेक पाठक उपस्थित थे। कार्यालय लिपिक सुमन चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सघन वृक्षारोपण का हुआ आगाज

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय सेठ श्री मोहनलाल जालान राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों व महिला प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परंपरा तथा रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में सांकेतिक रूप से पौधारोपण कर सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आगाज हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर के एस चरण ने विद्यार्थियों से रूबरू होते हुए कहा कि उन्होंने भी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के रूप में काफी समय तक काम किया है और यह राष्ट्रीय सेवा योजना आपके व्यक्तित्व निर्माण में महत्ती भूमिका निभाती है। डॉक्टर सुशील त्यागी एवं डॉक्टर रेखा शर्मा तथा महाविद्यालय स्टाफ ने पूर्व प्राचार्य का राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारतीय ज्ञान परंपरा का अपर्णा पहनाकर अभिनंदन किया। डॉ त्यागी ने बताया कि महाविद्यालय में वृक्षारोपण के अलावा सार्वजनिक स्थानों पर भी वृक्षारोपण किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भी पौधे दिए गए और उनकी देखभाल का जिम्मा दिया गया। महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा शर्मा ने बताया कि पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है और विद्यार्थियो से आह्वान किया कि वे समाज में परिवार में दूसरे व्यक्तियों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अलावा शिव हरी पारीक, प्रियंका देवड़ा, कमल कुमार योगी, लाल सिंह, भैरू सिंह, सुमित जावा, धनाराम सैनी, आबिद, महेश आदि उपस्थित थे।

जाखल तीज मेला महोत्सव 14 से शुरु, 15 को निकलेगी तीज माता की सवारी

निसं

बुगाला (नवयत्न)। जाखल तीज मेला महोत्सव 2026 को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बाबा सुंदरदास गोपाल गौशाला मेला परिसर में आयोजित होने वाले मेले में राजस्थानी लोक संस्कृति के साथ आधुनिक मनोरंजन के साधन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मेले में खरीदारी और खान-पान के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे।मेला अध्यक्ष रामदीन कुमावत ने बताया कि मेले का शुभारंभ 14 अगस्त को शाम सवा 6 बजे नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल फीता काटकर करेंगे। वहीं 15 अगस्त को दोपहर सवा 3 बजे जाखल के गोपीनाथजी मंदिर से तीज माता की भव्य सवारी निकाली जाएगी। सवारी मुख्य मार्ग से होते हुए बाबा सुंदरदास गोपाल गौशाला मेला परिसर पहुंचेगी। मेले में चूड़ी, खिलौने, घरेलू उपयोग की सामग्री सहित विभिन्न सामानों के स्टॉल लगाए जाएंगे। खान-पान के लिए भी अलग-अलग स्टॉल होंगे, जहां लोगों को विभिन्न प्रकार के व्यंजन मिलेंगे। मेला अध्यक्ष ने बताया कि मेले में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज से भी लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। मेले के माध्यम से लोगों को मनोरंजन के साथ राजस्थानी लोक संस्कृति और तीज की परंपरा से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

जलपरी और सर्कस समेत झूले रहेंगे आकर्षण

मेले में जलपरी, न्यू कमल सर्कस, डबल डिस्क झूला, ड्रैगन झूला सहित विभिन्न प्रकार के झूले और मनोरंजन के साधन लगाए जाएंगे। बच्चों के साथ परिवारों के लिए भी मनोरंजन के कई विकल्प उपलब्ध रहेंगे।

नसरीन गौरी ने 86 मत प्राप्त कर अपनी प्रतिद्वंदी को हराया

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। स्थानीय पीएमश्री राजकीय केसर देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लाडनूं में मतदाता साक्षरता क्लब का गठन स्वीप कार्यक्रम के तहत निर्वाचन प्रक्रिया अपनाते हुए किया गया। चुनाव अधिकारी शिव शंकर बोहरा ने बताया कि क्लब के गठन में पूरी निर्वाचन प्रक्रिया को अपनाते हुए संस्था प्रधान विजय सिंह चौहान को पीठासीन अधिकारी योगेंद्र सिंह, अनिल नेहरा, आकिब जावेद और सरोज बाला को पोलिंग पार्टी बनाकर बूथ की जिम्मेदारी दी गई। चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष करवाने के लिए शंकर लाल और पूनम चौधरी को सेक्टर ऑफिसर और माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया। बोहरा के अनुसार 438 बालिकाओं जिनके पास विद्यालय आईडी थी को ही मतदान का अधिकार देते हुए 182 बालिकाओं ने मतदान में भाग लिया। अध्यक्ष पद के लिए आलिया, पुष्पा बावरी और नसरीन गौरी ने नामांकन भरा और मतदान अभिकर्ता के भी फार्म भरवाये गए। मतगणना कार्मिकों द्वारा डाले गए मत की गिनती की गई जिसमे नसरीन गौरी ने 86 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंदी पुष्पा बावरी से 40 मत अधिक प्राप्त कर विजयी हुई। कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं को मतदाता शपथ दिलाई गई और नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए अध्यक्ष उपाध्यक्ष का माला और साफा पहनाकर शपथ दिलाई गई।

आचार्य महाश्रमण का दर्शन लाभ लिया

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। तेरापंथ धर्मसंघ के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण का लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती में प्रवास चल रहा है। इस दौरान नूर फाउंडेशन के संरक्षक डॉ गुलाब नबी एवं परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त ज्वाइंट कमिश्नर डॉ नानूराम चोयल ने आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ गुलाब नबी ने आचार्यश्री को नूर फाउंडेशन द्वारा लाडनूं एवं आसपास के क्षेत्र में किए जा रहे सामाजिक, शैक्षिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन का उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सकारात्मक पहल को बढ़ावा देना है। डॉ नबी ने फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों को शैक्षिक सहयोग, जरूरतमंद परिवारों की सहायता, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करने के प्रयासों की जानकारी साझा की। आचार्यश्री महाश्रमण ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को मानव सेवा और समाज के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया तथा सेवा कार्यों में निरंतरता बनाए रखने की प्रेरणा दी।

आंगनवाड़ी वर्कर्स यूनियन सीटू की कार्यकारिणी गठित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। आंगनवाड़ी वर्कर्स यूनियन सीटू की बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए ममता पारीक को अध्यक्ष, मुन्नी शर्मा को सचिव, रंजना चौमाल को कोषाध्यक्ष, शिवानी भाटी एवं प्रेमलता को उपाध्यक्ष, संगठन सलाहकार सुमन दाधीच और रामप्यारी जाट, संगठन मंत्री मुक्ता सोनी और पूजा प्रजापत, प्रचार मंत्री मनभरी जाट और छोटू मेघवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुनीता प्रजापत, सरस्वती ढाका, सुगनी बावरी, रामेती पारीक, अनीता राठौड़, सरोज शर्मा, सन्नू पारीक, चंदा मेघवाल, संतोष प्रजापत और बेवी घुघरवाल को चुना गया। बैठक में बकाया मानदेय, भवन एवं बिजली किराया, प्रोत्साहन राशि, पोषाहार राशि, पीएमएमवीवाई योजना के लंबित भुगतान तथा आईएफएससी कोड व अन्य तकनीकी कारणों से रुके भुगतानों सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई। भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग भी उठाई गई। इस अवसर पर राजस्थान शिक्षक संघ के प्रांतीय संयुक्त मंत्री शुभकरण नैण ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही हैं लेकिन उन्हें श्रम के अनुरूप सम्मान और पारिश्रमिक नहीं मिल रहा। उन्होंने संगठित होकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। बैठक को अखिल भारतीय किसान सभा के जिला संयुक्त मंत्री रामकृष्ण छींपा, आंगनबाड़ी वर्कर यूनियन सरदारशहर की अध्यक्ष रमेश चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए। शिक्षक संघ के ब्लॉक सचिव मुरलीधर अजमेरिया के सानिध्य तथा सरदारशहर यूनियन की सचिव सरोज, कोषाध्यक्ष सुमन कंवर एवं मीनू देवी के पर्यवेक्षण में हुई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ममता पारीक ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी आंगनवाड़ी वर्कर्स के हक-अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष करेगी।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी नगरपालिका की ओर से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के माध्यम से शहरवासियों को देशभक्ति की भावना के साथ अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया गया। नगरपालिका अधिकारियों व कर्मचारियों ने आमजन से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। अभियान के दौरान लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि तिरंगा केवल देश की पहचान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। इसी प्रकार स्वच्छ वातावरण बनाए रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगरपालिका ईओ नागरमल गुर्जर ने कहा कि तिरंगा हमारी शान है और स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी है । उन्होंने कहा कि देश के प्रति सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्व तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपने दैनिक जीवन में भी देशहित और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराने के साथ आसपास गंदगी नहीं फैलाएं और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। अभियान के तहत नगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया जाएगा। नगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि वे अभियान को जनभागीदारी का रूप देते हुए अपने घर, गली और मोहल्ले को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। अधिकारियों ने कहा कि जब प्रत्येक नागरिक अपने घर और देश के प्रति जिम्मेदारी निभाएगा तभी स्वच्छ, सुंदर और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव होगा। इस मौके पर जेईएन नगेंद्र सिंह, एसआई सुनील सैनी, सुखराम गुर्जर, संदीप शर्मा, नरेश कुमार, संतोष कुमार, मोहित, अजय कुमार, सुरेश कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

हर घर तिरंगा रैली का आयोजन

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। श्री कृष्ण सत्संग बालिका पीजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से प्राचार्य डॉ राजू शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में स्वयंसेविकाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। छात्राओं ने देशभक्ति नारों के माध्यम से आमजन को अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया। तिरंगा रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर चांदपोल गेट, आमली रोड, नानी दरवाजा एवं सुभाष चौक होते हुए पुन: महाविद्यालय परिसर पहुँची। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ राजू शर्मा ने कहा तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, एकता और गौरव का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय चेतना की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। कार्यक्रम अधिकारी अभिलाषा जोशी ने कहा कि स्वयंसेविकाओं की सक्रिय सहभागिता से युवाओं में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध की भावना मजबूत होती है तथा समाज में देशभक्ति, एकता और राष्ट्र गौरव का सकारात्मक संदेश पहुँचता है। इस अवसर पर डॉ अंजु वाला सीमा, डॉ पूनम शर्मा, सरिता शर्मा, सुनीता सैनी व महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली तिरंगा रैली

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। विभागीय दिशा-निर्देशों की अनुपालना में श्री जगन्नाथ तापड़िया उमावि जसवंतगढ़ के तत्वावधान में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति एवं तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया। हाथों में तिरंगा, दिल में देशभक्ति और जुबां पर भारत माता की जय के नारों के साथ पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर ओम शंकर गर्वा प्राचार्य, श्री जगन्नाथ तापड़िया उमावि जसवंतगढ़, हेमन्त कृष्ण मिश्र, प्राचार्य सूरजमल तापड़िया संस्कृत महाविद्यालय जसवंतगढ़, गोपाल सिंह प्राचार्य श्री जगन्नाथ तापड़िया राबाउमा विद्यालय जसवंतगढ़, भंवर लाल स्वामी प्राचार्य आदर्श विद्या मंदिर जसवंतगढ़, राजेंद्र सिंह व्याख्याता, मदन लाल गुर्जर व्याख्याता एवं सभी विद्यालयों के विद्यालय स्टॉफ आदि मौजूद रहे।

अराजकता का पर्याय न बने असहमति

बीते दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन करने और 20 जुलाई को संसद का घेराव करने वाली काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने अपने आंदोलन पर फिलहाल भले ही विराम लगा दिया हो, लेकिन उसने ऐसी किसी मुहिम को फिर से शुरू करने की धमकी भी दी है। सीजेपी को विपक्ष के कई दल दबे या खुले रूप से समर्थन दे रहे हैं। सीजेपी का यह धरना-प्रदर्शन शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ शुरू हुआ था। बाद में उनकी मांगों की सूची लंबी होती गई और सरकार पर दबाव भी बढ़ा। स्वाभाविक है कि अपनी मुहिम में शुरुआती सफलता से उनके हौसले इतने बुलंद हुए कि वे इस माहौल को बनाए रखना चाहते हैं।

इस संगठन को उन राजनीतिक दलों की पूरी शह मिली, जो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को परास्त करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। इसमें सबसे अग्रणी भूमिका उन वामपंथी दलों की रही, जो भले ही अपना अस्तित्व बचाने के संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन धरना-प्रदर्शन को ऊर्जा देने का ईंधन अभी भी इनमें कुछ बचा हुआ है। चूंकि ये दल लोकतांत्रिक रूप से मोदी और भाजपा को हराने में नाकाम साबित हो रहे हैं, इसलिए अलोकतांत्रिक विकल्पों का सहारा लेने पर आमादा हैं। यह इनकी बेचैनी और कुंठा को ही जाहिर करता है। वामपंथी दलों को इसमें आम आदमी पार्टी यानी आप से लेकर सपा जैसे दलों का भी सहयोग मिला।

प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी इसमें कहां पीछे रहने वाली थी। लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष इसी आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। उनका यह रवैया बहुत हैरान करने वाला था। अपनी दादी और पिता के समय स्वयं प्रधानमंत्री आवास में निवास का अनुभव रखने वाले राहुल इससे जुड़ी सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को भलीभांति समझते होंगे। इसके बावजूद राहुल ने अराजकता की राह अख्तियार करने से परहेज नहीं किया। यह उनकी और कांग्रेस पार्टी की कमजोर मनोदशा को ही जाहिर करता है। यह कांग्रेसी नेताओं की मानसिकता में घर कर चुकी अराजकता ही रही, जिसने सीजेपी को संसद पर धावा बोलने के लिए उकसाने का काम किया। पूरे विरोध-प्रदर्शन के दौरान डा. भीमराव आंबेडकर के प्रतीकों की तो खूब चर्चा हुई, लेकिन प्रतीत होता है कि आंदोलनकारी उनके आदर्शों को ही नहीं समझते। डा. आंबेडकर की दृष्टि में लोकतांत्रिक समाज में अराजक तौर-तरीकों की कोई जगह नहीं थी और इस संदर्भ में कम्युनिस्टों की मानसिकता को उन्होंने बहुत पहले ही भांप लिया था। करीब 77 साल पहले ही उन्होंने कहा था, कम्युनिस्ट पार्टी और सोशलिस्ट पार्टी जैसे धड़ों की ओर से ही संविधान की आलोचना और विरोध हुआ है। वे संविधान की निंदा क्यों कर रहे हैं? क्या इसलिए कि यह वाकई एक बुरा संविधान है? मेरा स्पष्ट मानना है-नहीं।

असल में, कम्युनिस्टों को ऐसा संविधान चाहिए जो सर्वहारा की तानाशाही के सिद्धांत पर चले और चूंकि यह संविधान संसदीय लोकतंत्र पर टिका है, इसलिए वे इसकी आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर, सोशलिस्टों की दो मांगें है। पहली, सत्ता में आने पर उन्हें सभी निजी संपत्तियों के राष्ट्रीयकरण का अधिकार मिले और इसके एवज में कोई क्षतिपूर्ति या मुआवजा भी उन्हें न देना पड़े। दूसरा, संविधान में दर्ज मौलिक अधिकार पूरी तरह निरपेक्ष हों, ताकि सत्ता से बाहर रहने पर उन्हें केवल सरकार की आलोचना का ही नहीं, बल्कि राज्य को उखाड़ फेंकने का भी अनियंत्रित अधिकार प्राप्त हो। आंबेडकर का यही आकलन था कि इन दोनों दलों से जुड़े लोग संसदीय लोकतंत्र के विरोधी थे और राज्य-व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए हर वक्त तत्पर रहते थे।

संविधान सभा के अपने समापन भाषण में डा. आंबेडकर ने कहा, यदि हम लोकतंत्र को न केवल औपचारिक रूप में, बल्कि वास्तविक स्वरूप में बनाए रखना चाहते हैं तो हमें क्या करना चाहिए? मेरी समझ से सबसे पहली बात जो हमें करनी चाहिए वह यह है कि अपने सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं से ही जुड़े रहें। इसका अर्थ है कि हमें क्रांति के हिंसक रास्तों का त्याग करना होगा। इसका अर्थ है कि हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह को छोड़ना होगा। जब सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संवैधानिक विकल्प उपलब्ध नहीं थे, तब असंवैधानिक तरीकों का औचित्य काफी हद तक उचित था, लेकिन जहां संवैधानिक विकल्प उपलब्ध हों, वहां इन असंवैधानिक तौर-तरीकों का कोई औचित्य नहीं हो सकता। ये तरीके कुछ और नहीं बल्कि अराजकता का ही तानाबाना हैं और हम जितनी जल्दी इन्हें छोड़ दें, तो हमारे लिए उतना ही बेहतर होगा।

संसद का घेराव करने के प्रयास में सीजेपी की शारीरिक एवं भाषाई अराजकता को देखते हुए डा. आंबेडकर का यह संबोधन बहुत सटीक, दूरदर्शी एवं भविष्यसूचक साबित हुआ। इस धरना-प्रदर्शन में तमाम युवतियों ने भी हिस्सा

लिया, जिनमें से कुछ ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इतने भद्दे एवं अशिष्ट शब्दों का प्रयोग किया, जिनका सार्वजनिक रूप से उल्लेख भी नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने न केवल उन सभी को क्षमा कर दिया, बल्कि पुलिस को भी कहा कि उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज न करें। सीजेपी के कई सदस्यों और समर्थकों ने नेपाल और बांग्लादेश की तर्ज पर हिंसक और अराजक तरीके से तख्तापलट करने की अपनी मंशा खुलकर जताई।

यदि वे इस राह पर बढ़ते हैं और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को बेदखल करने की कोशिश करते हैं तो देश में लोकतंत्र के पटरी से उतरने का जोखिम बढ़ता जाएगा। वे जिस संविधान की दुहाई देते रहते हैं, इससे उसी पर आघात होगा। उसके बाद अनिश्चितता का ऐसा दौर शुरू होगा, जिसकी कल्पना न तो खुद सीजेपी ने की होगी और न ही मोदी के अन्य विरोधियों ने। वर्तमान में यही आशा की जा सकती है कि सभी को सद्बुद्धि मिले और वे लोकतांत्रिक सीमाओं के दायरे में रहकर ही अपना विरोध करें। अन्यथा इसके परिणाम बहुत भयानक होंगे।

लिव-इन रिश्तों में नाइंसाफी रोकने की वाजिब पहल

सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि लिव-इन रिश्ता आज के समाज की एक सच्चाई है। अब भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (भारतीय न्याय संहिता की धारा 85) के तहत पुरुष साथी ही नहीं, बल्कि उनके रिश्तेदारों पर भी मुकदमा चलाया जा सकता है। जहां भी दो युगल विवाहित की तरह रह रहे हैं, उनके मामले में क्रूरता होने पर इस धारा में मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि क्रूरता इस बात की परवाह नहीं करती कि घर में शादीशुदा महिला है या 'लिव-इन' साथी। यह कानून हर 'लिव-इन' रिश्ते पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं मामलों में लागू होगा, जहां इरादा शादी करने का था। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि ऐसे में अर्नेश कुमार बनाम बिहार सरकार मामले में दिए गए गिरफ्तारी से जुड़े सुरक्षा उपायों और दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। ऐसे किसी केस में किसी अभियुक्त या उसके रिश्तेदार को बिना शुरुआती जांच के गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि स्वेच्छा से साथ रह रहे युगल हर चीज में पति-पत्नी के बराबर हैं। एक स्त्री, जो इस तरह के रिश्ते में बंधी है, वह पत्नी के सारे धर्म निभाती है और पुरुष पति के। आईपीसी की धारा 498ए रिश्ता सुधारने वाला, सही करने वाला और यौनिक रूप से सहायता करने वाला कानून है। क्रूरता कैसी भी हो, यदि वह दरवाजे पर ही रोक दी जाए, भले ही वह घर विवाहित दंपति का हो या लिव-इन में रहने वाले जोड़े का, सुखद होगा। क्रूरता अगर घर में दाखिल हो जाती है, तो उसके भीतर का सद्भाव नष्ट हो जाता है।

यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक अपील पर आया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय में अपीलकर्ता लोकेश ने पहले यह दलील दी थी कि महिला की सहमति से उनकी शादी 2010 में हुई, तब से वे साथ रहते थे। बाद में लोकेश अपने इस बयान से पलट गया और कहा कि उनकी शादी कभी नहीं हुई। वे पति-पत्नी नहीं थे, इसलिए उन पर धारा 498ए लागू नहीं होना चाहिए। लोकेश की ओर से कहा गया कि इस दंडात्मक धारा का उपयोग पति-

पत्नी मामले में ही होना चाहिए, जहां विवाह विधि-विधान से हुआ हो, किसी अन्य व्यक्ति पर नहीं। उधर, महिला ने अपनी एफआईआर में कहा कि लोकेश ने उससे पहली शादी की बात छिपाकर शादी कर ली। इसके बाद वह और उसका परिवार उसके साथ दहेज के लिए मारपीट करते थे।

न्यायालय ने लोकेश की दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। उसने साफ कहा है कि विवाह हुआ या नहीं और क्रूरता हुई या नहीं, यह जांच का विषय है। वैसे, आरोपों को देखने से पता चलता है कि अपराध हुआ है, तो मुकदमा चलेगा। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि इस प्रावधान को लाने का मतलब ही था, क्रूरता करने वाले पति और उसके रिश्तेदारों को रोकना, उन्हें सजा देना, जिससे उनके इस व्यवहार पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा, 'यह सामाजिक न्याय का विषय है। इसका अर्थ है- स्त्रियों में समानता का भाव लाना, पुरुषों के श्रेष्ठता बोध को रोकना, जो सदियों से जारी है। भले ही यह धारा कठोर लगती हो, पर यह समाज, परिवार व व्यवस्था में सुधार लाती है, मनमानी रोकती है।

यह धारा 1983 में कानून में जोड़ी गई थी। इससे पहले दो ही प्रावधान थे- घरेलू क्रूरता और 1961 की दहेज निरोधक धारा। इनके मुकाबले यह धारा नई है। अदालत के पास यह एक अधिकार है, जिसे वह साफ-साफ पति और रिश्तेदारों के खिलाफ व्यवहार में ला सकती है। यह स्त्री को खुदकुशी से रोकने का प्रावधान है।

युद्ध नहीं, शांति ही मानवता का भविष्य

विश्व भर में 6 अगस्त को हिरोशिमा दिवस मनाया जाता है। यही वह दिन है, जब वर्ष 1945 में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर पहला परमाणु बम गिराया था। इस दिन हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी जाती है और शांति, परमाणु निरस्त्रीकरण व मानवता का संदेश दिया जाता है। आज लगभग आठ दशक बाद भी, यह दिन इतिहास का स्मरण भर नहीं है, बल्कि वर्तमान विश्व को चेतावनी देने वाला एक अवसर है। कहना गलत नहीं होगा कि आज पूरी दुनिया मानो बारूद के ढेर पर खड़ी है। हर ओर युद्ध, संघर्ष और तनाव का वातावरण दिखाई देता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल तनाव, गाजा संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय विवाद वैश्विक शांति के सामने गंभीर चुनौती बन गए हैं।

वास्तव में, युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, बल्कि इससे नई समस्याओं की शुरुआत होती है। शांति ही मानवता का सबसे शक्तिशाली अस्त्र है। यही संदेश हमें भगवान गौतम बुद्ध के उपदेशों में भी मिलता है। धम्मपद में कहा भी गया है- न हि वेरेन वेरानि सम्मन्तीध कुदाचन। अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो।। अर्थात् संसार में वैर से वैर कभी समाप्त नहीं होता; वैर केवल प्रेम, करुणा और अहिंसा से ही समाप्त होता है। यही सनातन सत्य है। सच तो यही है कि गौतम बुद्ध का यह संदेश आज की युद्धग्रस्त दुनिया में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक नजर आता है।

संघर्ष चाहे किसी भी प्रकार का हो, उसकी सबसे बड़ी कीमत हमेशा आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। युद्ध में हजारों निर्दोष लोगों की जान चली जाती है, लाखों लोग अपने घर छोड़ने को विवश हो जाते हैं और आने वाली पीढ़ियां भय, असुरक्षा व मानसिक आघात के वातावरण में जीवन बिताने को मजबूर हो जाती हैं। यदि युद्ध की आग परमाणु हथियारों तक पहुंच जाए, तो उसका दुष्परिणाम केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता को उसकी कीमत चुकानी पड़ जाती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध केवल सीमाएं बदलते हैं, मनुष्य का भाग्य नहीं। तलवारें, मिसाइलें और बम कभी स्थायी शांति स्थापित नहीं कर सकते; वे केवल भय, घृणा और विनाश को जन्म देते हैं। आज आवश्यकता इसी बात की है कि राष्ट्र हथियारों की होड़ में उतरने के बजाय संवाद, कूटनीति और सहयोग का मार्ग अपनाएं। यदि मानवता ने इतिहास से सबक नहीं लिया, तो हमें भविष्य में फिर किसी ऐसी त्रासदी का सामना करना पड़ सकता है, जिसकी भरपाई सदियों तक संभव न हो सकेगी।

युद्ध सामान्यत: विनाश, मानव पीड़ा व आर्थिक क्षति का प्रतीक माना जाता है, और विवादों का समाधान शांति, संवाद व कूटनीति से करने पर जोर दिया जाता है, लेकिन कभी-कभी शांति स्थापित करने के लिए भी युद्ध लड़े जाते हैं। इतिहास ऐसे कई उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब युद्ध को अपरिहार्य माना गया। वैसे भी, जब किसी देश की संप्रभुता, स्वतंत्रता, सुरक्षा या मानवीय मूल्यों पर गंभीर खतरा पैदा होता है और सभी शांतिपूर्ण प्रयास विफल हो जाते हैं, तब युद्ध ही एकमात्र समाधान का रास्ता बच जाता है।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।

डिजिटल बाढ़ और बेसब्री की खेती

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ़्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

इन्फॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीजनिंग का खत्म होना

डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है- उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। फेक न्यूज़ और सेंसेशनलाइज़्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।

बदलते सोशल नॉर्म्स और बुरे मैनर्स की सोच

मैनर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है।

समाज के लिए सुधार के कदम

आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें।

डिजिटल लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देना

इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है, ये सभी ज़्यादा लॉजिकल रीज़निंग डेवलप करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षक खुलकर इस पर चर्चा करके क्रिटिकल थिंकिंग का मॉडल बना सकते हैं कि वे जानकारी को कैसे एवैल्यूएट करते हैं और राय कैसे बनाते हैं।

पेशेंस और डिलेड ग्रैटिफिकेशन को कल्टिवेट करना

पेशेंस को बढ़ावा देने के लिए ऐसा एनवायरनमेंट बनाने के लिए सोच-समझकर कोशिश करने की ज़रूरत होती है जो इसे बढ़ावा दे। यह घर और स्कूल दोनों जगह से शुरू हो सकता है। स्क्रीन टाइम कम करना और ऐसी एक्टिविटीज़ को बढ़ावा देना जिनमें लगातार फोकस की ज़रूरत होती है, जैसे किताबें पढ़ना, हॉबीज़ में शामिल होना, बोर्ड गेम खेलना, या स्ट्रक्चर्ड स्पोर्ट्स में हिस्सा लेना, देर से मिलने वाली खुशी को सहने की क्षमता बढ़ाने में मदद कर सकता है। स्कूल ऐसे असाइनमेंट डिज़ाइन कर सकते हैं जिनमें लंबे समय तक कमिटमेंट और लगन की ज़रूरत हो, जिससे स्टूडेंट्स को मेहनत की कीमत और लगातार काम करके लक्ष्य हासिल करने की संतुष्टि सिखाई जा सके। सिर्फ़ नतीजों को ही नहीं, बल्कि कोशिश और प्रोसेस को भी सेलिब्रेट करने से फोकस तुरंत नतीजों से हटकर सीखने और डेवलपमेंट की यात्रा पर जा सकता है। उदाहरण के लिए, किसी मुश्किल काम के लिए स्टूडेंट्स के डेडिकेशन को पहचानना और इनाम देना, चाहे तुरंत सफलता मिले या न मिले, लगन की अहमियत को और मज़बूत कर सकता है।

एम्पैथी और सोशल-इमोशनल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देना

मैनर्स और आपसी व्यवहार को बेहतर बनाने के लिए सोशल-इमोशनल लर्निंग पर फोकस करना ज़रूरी है। स्कूलों और परिवारों को एक्टिवली एम्पैथी, सम्मान और असरदार कम्युनिकेशन सिखाना और उसका उदाहरण देना चाहिए। सोशल-इमोशनल लर्निंग प्रोग्राम को एजुकेशनल फ्रेमवर्क में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे स्टूडेंट्स को अपनी भावनाओं को समझने और मैनेज करने, अच्छे रिश्ते बनाने और ज़िम्मेदार फ़ैसले लेने के लिए टूल्स मिलें। कम्युनिटी सर्विस या वॉलंटियर एक्टिविटीज़ में हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा देने से युवाओं को अलग-अलग तरह के अनुभव मिल सकते हैं और उनमें ज़्यादा समझदारी बढ़ सकती है।

सहानुभूति और सामाजिक ज़िम्मेदारी की भावना

रोल-प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और ग्रुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं। अनुशासनहीन व्यवहार के लिए सिर्फ़ सज़ा देने के बजाय, यह समझाना कि वह व्यवहार क्यों गलत है और उसे सुधारना, लंबे समय में व्यवहार बदलने में ज़्यादा असरदार हो सकता है।

संतुलित डिजिटल जुड़ाव को बढ़ावा देना

इसका मकसद टेक्नोलॉजी को बुरा बताना नहीं है, बल्कि इसके इस्तेमाल के लिए एक संतुलित और सोच-समझकर अपनाया जाने वाला नज़रिया विकसित करना है। इसमें स्क्रीन टाइम के लिए सही सीमाएँ तय करना, डिजिटल डिटॉक्स (कुछ समय के लिए डिजिटल डिवाइस से दूर रहना) को बढ़ावा देना और इस बात के प्रति जागरूकता पैदा करना शामिल है कि टेक्नोलॉजी किसी व्यक्ति की सोच और भावनाओं पर कैसे असर डालती है। माता-पिता अपने बच्चों के साथ मिलकर स्क्रीन टाइम की उचित सीमाएँ तय कर सकते हैं और घर में टेक्नोलॉजी-फ्री ज़ोन या समय बना सकते हैं। ऑनलाइन अनुभवों के बारे में खुलकर बातचीत को बढ़ावा देना - जिसमें सोशल मीडिया से जुड़े दबाव और चुनौतियाँ भी शामिल हैं - युवाओं को अपनी डिजिटल ज़िंदगी के साथ ज़्यादा समझदारी भरा और जागरूक रिश्ता बनाने में मदद कर सकता है।

क्या आपको भी पढ़ा हुआ ज्यादा समय तक याद नहीं रहता?

पढ़ाई के लिए अपनाएं ये 5 स्टडी टेक्निक

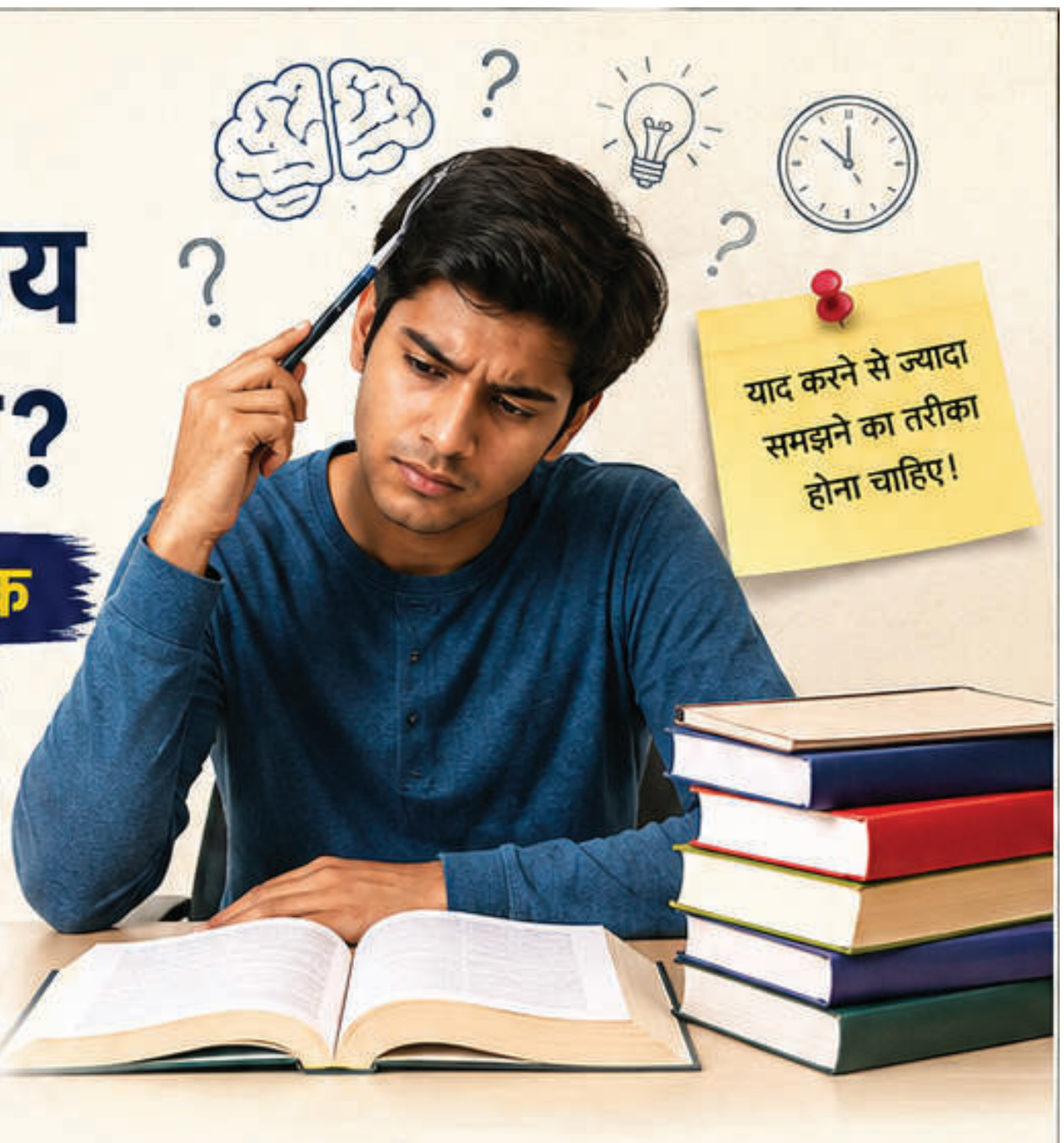

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को विषयों की अवधारणा एवं तथ्यों को परीक्षा तक याद रखने में सबसे ज्यादा परेशानी होती हैं। अभ्यर्थी परीक्षा की तैयारी कितने भी अच्छे तरीके से क्यों न कर लें। लेकिन तथ्यों एवं अवधारणा को ज्यादा लंबे समय तक याद नहीं रख पाते हैं।

ऐसे में अगर आप भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं और विषयों को लंबे समय तक याद नहीं रख पाते हैं, तो आज इस लेख के जरिए हम आपको 5 ऐसी स्टडी टेक्निक के बारे में बताएंगे। जो आपके पढ़ाई करने के अनुभव बेहतर बनाने के साथ-साथ जानकारी को ज्यादा लंबे समय तक याद रखने में मदद कर सकती हैं।

1 SQ3R टेक्निक

- **S** Survey (सर्वे)
- **Q** Question (प्रश्न)
- **R** Read (पढ़ें)
- **R** Recite (स्मरण करें)
- **R** Review (समीक्षा करें)

विषय को समझने एवं तथ्यों को याद रखने के लिए SQ3R टेक्निक सबसे बेहतरीन टेक्निक में से एक है। इसके लिए आप जिस भी अध्याय को पढ़ने वाले हैं। पहले उसे सरसरी नजर से पढ़ लें। अब अध्याय के विषयवस्तु के आधार पर कुछ प्रश्न तैयार करें। इसके बाद अध्याय को पढ़ना शुरू करें और अपने द्वारा बनाएं गए प्रश्नों के उत्तर खोजें। अंत में अध्याय पूरा करने के बाद एक बार दोबारा पूरे चैप्टर का रिव्यू करें और अपने द्वारा बनाए गए प्रश्नों पर दोबारा विचार करें।

2 स्पेस्ड टेक्निक

विषयों को लंबे समय तक याद रखने के लिए ये टेक्निक भी बेहद ही कारगर है। इस टेक्निक का उपयोग करने के लिए कक्षा में पढ़ाए गए विषयों को ध्यान से समझें। दूसरे दिन रिवीजन करें। तीसरे दिन दोबारा रिवीजन करें। अब एक हफ्ते और दो हफ्ते के अंतराल के बाद विषय को दोहराएं रहें।

3 PQ4R मेथड

इस विधि का उपयोग करने के लिए सबसे पहले विषय के शीर्षक और उपशीर्षक को पढ़ें। इसके बाद पाठ पढ़ने से पहले प्रश्नों की एक लिस्ट तैयार करें। जैसे इस विषय में आपको क्या सीखने की जरूरत है। इसके बाद आपाने अध्याय में जो भी पढ़ा है। अंत में उसका शीर्षक लिखें और रिवीजन करें।

4 फेमैन टेक्निक

फेमैन टेक्निक किसी अवधारणा या विषय को आसान भाषा में समझने की सबसे बेहतरीन टेक्निक है। इसके लिए पहले किसी जानकारी को पढ़ें। अब इसे किसी दुसरे व्यक्ति को आसान भाषा में समझाएं। इसके बाद आपने जो भी इस विषय के बारे में पढ़ा या लिखा है। उसकी समीक्षा करें और जहां आप गलत हैं। उस जानकारी को फिर से पढ़ें।

5 माइंड मैपिंग टेक्निक

पढ़ाई के लिए माइंड मैपिंग टेक्निक छात्रों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसके लिए एक खाली कागज लें और पेज के सेंटर पर अपने विषय का नाम लिखें। इसके बाद विषय से संबंधित अपने विचारों को पाठ से जोड़े और उसे पेज पर लिखें। अब विषय के महत्वपूर्ण विंदुओं को अलग-अलग कलर से लिखें। आप चाहे तो विषय को बेहतर ढंग से समझने के लिए चित्र भी बना सकते हैं। इसके बाद समय-समय पर इसका रिवीजन करते रहें।

नियमित अध्ययन + सही तकनीक + लगातार अभ्यास = सफलता की गारंटी

सुनील शेट्टी

65- धमकी मिलने पर अंडरवर्ल्ड डॉन को गालियां दीं

को-एक्ट्रेस से मिलाने के लिए जूनियर आर्टिस्ट को नकली मुख्यमंत्री बनाया; अजय देवगन 'दूधवाला' कहते हैं

90 का दशक। मुंबई में अंडरवर्ल्ड का खौफ ऐसा था कि बड़े-बड़े कारोबारी और फिल्म स्टार भी धमकी भरे फोन से घबरा जाते थे। इसी दौर में एक बॉलीवुड एक्टर को भी लगातार धमकी वाले फोन आ रहे थे। करीब डेढ़ साल तक धमकियों का सिलसिला चलता रहा, लेकिन एक दिन बात हद से आगे बढ़ गई।

फोन करने वाले गैंगस्टर ने धमकी दी कि वह एक्टर के पिता को गोली मार देगा। बेटे ने अब तक धमकी को नजरअंदाज किया था, लेकिन पिता को धमकी मिलते ही उसका सब्र टूट गया। उसने गैंगस्टर को ही उसी की भाषा में जवाब दिया, गालियां दीं और कहा- मेरे पास तुझसे ज्यादा पैसे भी हैं और ज्यादा कनेक्शन भी। इसलिए कभी मत सोचना कि मैं डर जाऊंगा।'

15 साल की उम्र में पुलिस को ट्रेनिंग दी

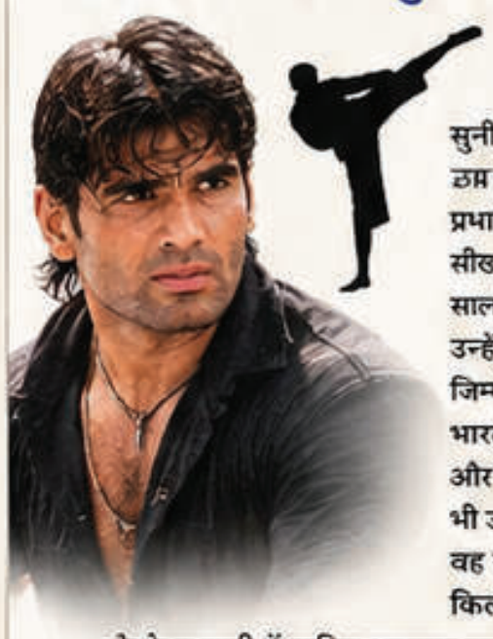

सुनील शेट्टी ने 13-14 साल की उम्र में ब्रूस ली की फिल्मों से प्रभातित होकर मार्शल आर्ट सीखना शुरु किया। महज 15 साल की उम्र में उनके सेंसई ने उन्हें दुसरों को ट्रेनिग देने की जिम्मेदारी सौंप दी।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और महाराष्ट्र पुलिस के जवान भी उनसे ट्रेनिग लेने आते थे। वह जवानों के साथ 20-30 किलोमीटर दौड़ लगाते और औ। रेत व पानी में कठिन अभ्यास करवाते थे।

पहली फिल्म के पोस्टर खुद सड़कों पर चिपकाए थे

पहली फिल्म 'आरजू' बंद हो गई, दूसरी भी रुक गई। आखिरकार 'बलवान' से डेब्यू मिला। प्रमोशन के लिए बजट नहीं था, तो सुनील शेट्टी अपने रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के साथ मुंबई की सड़कों पर पोस्टर नि: चिपकाते थे। फिल्म हिट रही, लेकिन कुछ समीक्षकों ने ब्ब' और लिखा कि इडली-वड़ा बेचना चाहिए।

चुनाव प्रचार को लेकर सुनील दत्त ने नाराजगी जताई थी

एक बार संजय दत्त विपक्षी पार्टी के नेता के लिए प्रचार करने वाले थे, जो उनके पिता सुनील दत्त के खिलाफ चुनाव लड़ रहा था। बाद में सुनील शेट्टी को भेजा गया। जब सुनील दत्त को पता चला तो उन्होंने कहा, 'बेटा, मैं आपकी दोस्ती समझता हूं, लेकिन मेरे बारे में भी सोचना चाहिए था।'

सुनील ने जवाब दिया, 'आपके बेटे ने नहीं सोचा, मैं क्या सोचूं!''

सास के कहने पर फिल्म 'बॉर्डर' में काम किया

'बॉर्डर' को शुरू में सुनील ने मना कर दिया था। जेपी दत्ता की सख्त छवि और उनके गुस्से की बातें सुनकर वह डर गए थे।

सास के कहने पर कहानी सुनी, जेपी दत्ता से मिले और फिल्म के लिए हां कर दी। यह फिल्म उनकी सबसे फेमस फिल्मों में शामिल हुई।

कारगिल में घायल जवान से मिलकर रो पड़े थे सुनील शेट्टी

'बॉर्डर' की सफलता के बाद कारगिल युद्ध के दौरान एक घायल जवान से मिले, जिनसे एक हाथ खो दिया था। ... कहा, 'भैरव सिंह जी, मेरा एक बेटा—... और, ... था मुझे ... हो।' यह सुनकर सुनील की आंखें भर आईं।

जवान के माता-पिता ने उन्हें ढांढस बंधाया और कहा, 'छोटा बेटा भी फौज में जाएगा।' उसी दिन सुनील को सेना के जज्बे का एहसास हुआ।

अक्षय और सुनील को अजय देवगन कहते हैं 'दूधवाला'

सुनील शेट्टी रात 10-10:30 बजे सो जाते हैं और सुबह 5:30 बजे जिम पहुंच जाते हैं। अजय देवगन मजाक में कहते हैं-

'फिल्म इंडस्ट्री में दो ही दूधवाले हैं—एक अक्षय कुमार और दूसरा सुनील शेट्टी। सुबह-सुबह ऐसा लगता है जैसे यहीं दोनों दूध की सप्लाई करने निकलते हैं'।

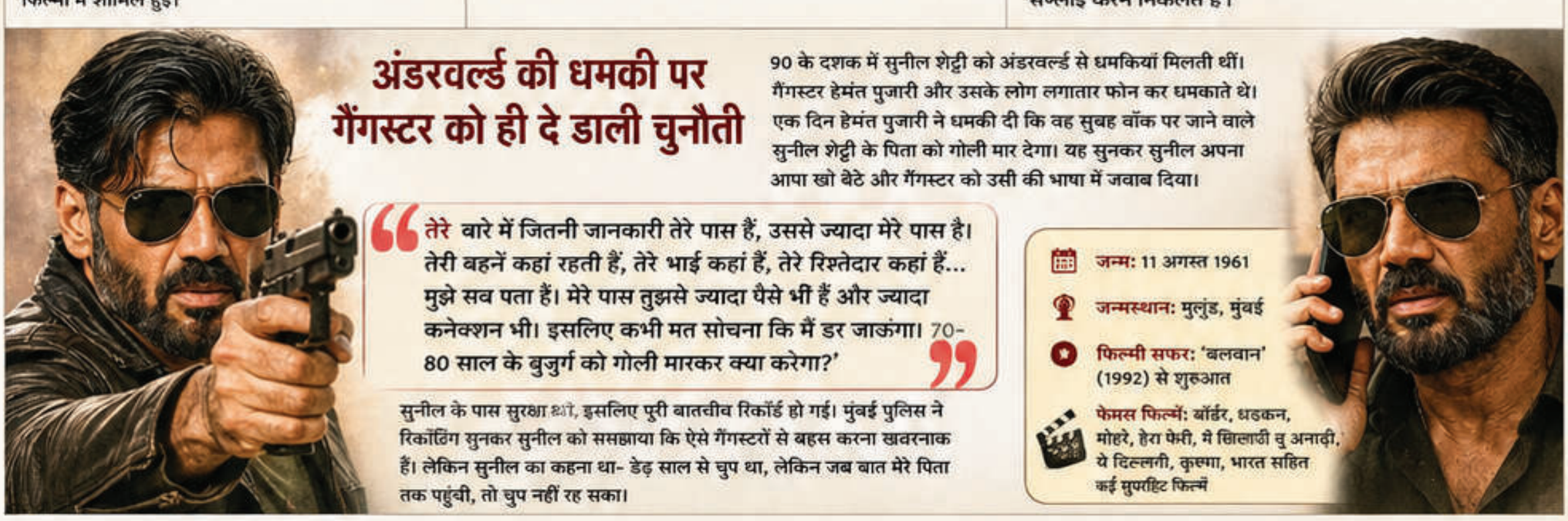

अंडरवर्ल्ड की धमकी पर गैंगस्टर को ही दे डाली चुनौती

90 के दशक में सुनील शेट्टी को अंडरवर्ल्ड से धमकियां मिलती थीं। गैंगस्टर हेमंत पुजारी और उसके लोग लगातार फोन कर धमकाते थे। एक दिन हेमंत पुजारी ने धमकी दी कि वह सुबह वॉक पर जाने वाले सुनील शेट्टी के पिता को गोली मार देगा। यह सुनकर सुनील अपना आपा खो बैठे और गैंगस्टर को उसी की भाषा में जवाब दिया।

> "तेरे बारे में जितनी जानकारी तेरे पास है, उससे ज्यादा मेरे पास है। तेरी बहनें कहां रहती हैं, तेरे भाई कहां हैं, तेरे रिश्तेदार कहां हैं... मुझे सब पता है। मेरे पास तुझसे ज्यादा पैसे भी हैं और ज्यादा कनेक्शन भी। इसलिए कभी मत सोचना कि मैं डर जाऊंगा। 70-80 साल के बुजुर्ग को गोली मारकर क्या करेगा?'"

सुनील के पास सुरक्षा थी, इसलिए पूरी बातचीत रिकॉर्ड हो गई। मुंबई पुलिस ने रिकॉर्डिंग सुनकर सुनील को समझाया कि ऐसे गैंगस्टरों से बहस करना खतरनाक है। लेकिन सुनील का कहना था- डेढ़ साल से चुप था, लेकिन जब बात मेरे पिता तक पहुंची, तो चुप नहीं रह सका।

- **जन्म:** 11 अगस्त 1961
- **जन्मस्थान:** मुलुंड, मुंबई
- **फिल्मी सफर:** 'बलवान' (1992) से शुरुआत
- **फेमस फिल्में:** बॉर्डर, धड़कन, मोहरे, हेरा फेरी, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, ये दिल्लगी, कृष्णा, भारत सहित कई सुपरहिट फिल्में

महिलाओं द्वारा भंडारा आयोजित

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। सावन अमावस्या पर केसीसी के थर्ड सेक्टर स्थित हनुमान मंदिर में बुधवार को भंडारे का आयोजन किया गया। महिला श्रद्धालूओं ने संयुक्त रूप से भंडारे का आयोजन किया गया। पंडित सुभाष शर्मा ने विधिवत रूप से भोले बाबा का जलाभिषेक करवा कर खीर का भोग लगाकर भंडारे का शुभारंभ किया। पंडित सुभाष शर्मा ने बताया कि सावन माह की अमास्वया पर महिलाओं श्रद्धालूओं ने भंडारे का आयोजन किया, भंडारे से पूर्व भोले बाबा का र्कितन व जलाभिषेक किया गया। सावन माह की अमावस्या के पावन अवसर पर भंडारे में सुधा बंसल, रेखा अग्रवाल, सविता बंसल, सुशीला, संजू शर्मा, कमलेश, सुमन सैनी, फूली देवी, पायल मीणा, मोनिका सोनी, महेंद्र बंसल, हरीश बंसल, कमलेश सिसोदिया, आयूष सहित स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

सावन अमावस्या पर 20 जरूरतमंद परिवारों को कराया भोजन

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, झुंझुनूं की ओर से सावन माह की अमावस्या पर 'कोई भूखा न सोए' अभियान के तहत सेवा कार्य किया गया। मलसीसर रोड के पास रहने वाले 20 जरूरतमंद परिवारों को उनके घर पर ही भोजन उपलब्ध कराया गया। झुंझुनूं प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से जरूरतमंद परिवारों तक भोजन पहुंचाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में सावन अमावस्या के अवसर पर 20 गरीब परिवारों को घर पर भोजन कराया गया। सेवा कार्य के लिए ट्रस्ट कार्यकर्ता ग्यारसी कुमारी सबल एवं वीना रानी ने भोजन तैयार किया। वहीं सुरेश सीमार, दिव्यांग भाई राजेंद्र सैनी, पार्षद सीताराम घोटड़ एवं राजेंद्र कनोड़िया ने जरूरतमंद परिवारों तक भोजन पहुंचाने में सहयोग किया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सेवा करना ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

सीएलजी बैठक आयोजित

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी थाना परिसर में 15 अगस्त एवं आगामी त्योहारों को लेकर सीएलजी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र बुरड़क ने की। बैठक में कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग उठी। सीएलजी सदस्यों ने त्योहारों के दौरान बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस गश्त बढ़ाने का सुझाव दिया। पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र बुरड़क और थानाधिकारी बुद्धि प्रसाद ने बैठक में आए सभी सुझावों व शिकायतों को गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिस उप अधीक्षक ने आमजन से अपील की कि क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या अपराध से जुड़ी सूचना मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के आपसी सहयोग से ही अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजेश शाह, शेरसिंह निर्वाण, शशि सैनी, अमरचंद शर्मा, डॉ सोमदत्त भगत, एडवोकेट नंदकिशोर, नगेंद्र सोढ़ा, पवन भार्गव, कैलाश स्वामी, दीपचंद गुर्जर, इस्लामुद्दीन, एडवोकेट रामनिवास, नरेश कुमावत, अखिलेश शर्मा, भगवानाराम सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चीफ शहर काजी अलवी बने ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी के जिलाध्यक्ष

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान प्रदेश के तत्वावधान में जोधपुर में आयोजित अखिल भारतीय हज खिदमतगार सम्मेलन-2026 में क्षेत्र के चीफ शहर काजी रज़ा मुराद अलवी एडवोकेट को ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी का चूरू जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

मनोयन पर सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों ने खुशी जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि रज़ा मुराद अलवी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से समाज सेवा और हज यात्रियों की खिदमत के कार्य को आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकीत खान, राष्ट्रीय महासचिव सैयद रियाज, आबिद कागजी, सुपरस भंडारी, ओमकार वर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष इंतखाब आलम, इरफान सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कृषि एवं विधि परीक्षा केंद्रों के स्थानांतरण की मांग

छात्रसंघ अध्यक्ष भवानी सिंह के नेतृत्व में आयुक्त को भेजा ज्ञापन

विजेंद्र सिंह लमोरिया

चिड़ावा (नवयत्न)। मास्टर हजारीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय चिड़ावा में होने वाली कृषि एवं विधि महाविद्यालयों की परीक्षाओं के परीक्षा केंद्र को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग को लेकर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के आयुक्त के नाम ज्ञापन दिया। छात्र संघ अध्यक्ष भवानी सिंह के नेतृत्व में प्राचार्य अवतार को दिए ज्ञापन में विद्यार्थियों ने लिखा कि महाविद्यालय में वर्तमान में स्वामी केशवानंद कृषि महाविद्यालय एवं डॉ भीमराव अंबेडकर विधि महाविद्यालय की परीक्षाओं के केंद्र संचालित होते हैं एवं एक महीने से अधिक समय तक चलते हैं। महाविद्यालय में कर्मचारियों की संख्या न्यूनतम होने तथा परिसर में सीमित स्थान उपलब्ध होने के कारण नियमित कक्षाएं सुचारु रूप से संचालित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। विद्यार्थियों ने बताया कि परीक्षा केंद्रों के कारण कक्षाओं की व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे उन्हें एकाग्रता के साथ अध्ययन करने में परेशानी होती है। आगामी समय में विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी प्रस्तावित हैं, ऐसे में महाविद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कृषि एवं विधि महाविद्यालयों की परीक्षाओं के केंद्र को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। विद्यार्थियों ने आयुक्त से मांग की कि छात्रहित एवं महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की उचित कार्रवाई की जाए।

मेघा अग्रवाल के नेतृत्व में महिला संगठन विस्तार को मिलेगी नई गति

किरण खेतान, मधु सिहोटिया व सोनू पोद्दार को सौंपे दायित्व

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। अखिल भारतीय महिला अग्रवाल सम्मेलन की सीकर महिला जिला इकाई में संगठन विस्तार एवं कार्यकारिणी के सुदृढ़ीकरण के तहत तीन महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। सीकर महिला जिलाध्यक्ष मेघा अग्रवाल पटवारी के नेतृत्व में महिला संगठन को मजबूत बनाने एवं अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग की सहमति से किरण खेतान को जिला चेयरपर्सन, मधु सिहोटिया को जिला महामंत्री एवं सोनू पोद्दार को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों के मनोनयन पत्र प्रदेश महिला अध्यक्ष आरती गुप्ता एवं प्रदेश महिला महामंत्री डॉ सुधा पोद्दार जाजोदिया द्वारा जारी किए गए। सीकर महिला जिलाध्यक्ष मेघा अग्रवाल पटवारी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला संगठन को समाज की अधिक से अधिक

किरण खेतान, जिला चेयरपर्सन | मधु सिहोटिया, जिला महामंत्री | सोनू पोद्दार, जिला कोषाध्यक्ष

महिलाओं तक पहुंचाने और उन्हें संगठन से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी महिला संगठन में सक्रिय एवं योग्य महिलाओं को दायित्व सौंपते हुए नियुक्तियों का क्रम जारी रहेगा तथा अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़कर संगठन को मजबूत एवं प्रभावी बनाया जाएगा। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संरक्षक पवन मोदी, जिला चेयरमैन अमित चिरानिया, जिलाध्यक्ष अनिल तोदी, जिला उपाध्यक्ष सज्जन अग्रवाल, जिला महामंत्री मणि शंकर खेतान, संतोष पटवारी, रोहन अग्रवाल, सन्नू मोदी, मंजू लोहिया, किरण चिरानिया सहित समाज के अनेक गणमान्यजनों एवं महिला पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तिरंगे का इतिहास और बंटवारे का दर्द दिखा रही प्रदर्शनी, 14 अगस्त तक आमजन कर सकेंगे अवलोकन

हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्काउट गाइड मैदान में जिला स्तरीय प्रदर्शनी शुरू, विधायक राजेंद्र भांबू ने किया उद्घाटन

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को स्काउट गाइड परिसर में जिला स्तरीय तिरंगा प्रदर्शनी एवं विभाजन विभीषिका स्मृति प्रदर्शनी शुरू हुई। विधायक राजेंद्र भांबू ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में तिरंगे के इतिहास, विकास और महत्व के साथ वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान लोगों की पीड़ा, विस्थापन और संघर्ष को चित्रों व अन्य सामग्री के जरिए दिखाया गया है। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि देश का विभाजन इतिहास का बेहद पीड़ादायक अध्याय है। लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर विस्थापन और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां नई पीढ़ी को देश के इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ने के साथ देश की एकता, अखंडता और भाईचारे की भावना को मजबूत करती हैं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि प्रदर्शनी में 1947 के विभाजन के दौरान हुए विस्थापन, पीड़ा और संघर्ष को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को इतिहास और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं।

14 अगस्त तक देख सकेंगे प्रदर्शनी

जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी 14 अगस्त तक आमजन के लिए खुली रहेगी। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, युवा और आमजन यहां आकर प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकते हैं। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम, तिरंगे के गौरव एवं सम्मान और विभाजन की त्रासदी से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित की गई है। इस अवसर पर स्काउट गाइड जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक राजेंद्र कुमार, सीओ स्काउट महेश कालावत, सीओ गाइड प्रियंका कुमारी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजीलाल शर्मा, हेडक्वार्टर कमिश्नर डॉ. रामावतार सबलानिया, लीडर ट्रेनर प्रहलाद राय जांगिड़, डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कमिश्नर गाइड सुनीता बेनीवाल सहित स्काउट-गाइड, रोवर्स-रेंजर्स और शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

विहिप की बैठक सम्पन्न, वीरेन्द्र लाटा बने प्रखंड अध्यक्ष

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे में गौशाला रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में मंगलवार देर शाम को विश्व हिंदू परिषद प्रखंड राजलदेसर की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी छह माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक संगठन की पहुंच मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष सुभाष पारीक एवं विभाग मंत्री गजानंद दाधीच के निर्देशानुसार जिला मंत्री अरविंद मिश्रा ने संगठनात्मक विस्तार के क्रम में वीरेन्द्र लाटा को सर्वसम्मति से राजलदेसर प्रखंड अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष का अभिनंदन किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष राजकुमार महर्षि ने परिषद के हित चिंतक अभियान को व्यापक बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नई समितियों के गठन पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि परम पूज्य अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष एवं संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष वीरेन्द्र लाटा ने कहा कि शीघ्र ही राजलदेसर में मजबूत एवं सक्रिय प्रखंड समिति का गठन किया जाएगा। संगठन के सेवा कार्यों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के साथ स्थापना दिवस, दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी, शौर्य दिवस एवं बलिदान दिवस सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जागरण किया जाएगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष राजकुमार महर्षि, जिला मंत्री अरविंद मिश्रा, राजस्थान गौ ग्राम सेवा संघ के प्रदेशाध्यक्ष ललित दाधीच, सुभाष शर्मा, धनराज सेन, किशोर पारीक, रतन बारूपाल, शिव भगवान सोनी, गोविंद भाटी, भंवर गिल, जिला विधि प्रमुख जयकांत बींवाल, जगदेव सांखोलिया,

रामदेव चंदनिया सहित संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के बाद अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्री राजलदेसर गौशाला पहुंचकर भगवान गोपाल-कृष्ण एवं गौ माता के दर्शन किए।

किसान को सम्मान निधि का इंतजार, स्कूल के ऊपर से बिजली लाइन हटाने का मामला भी अटका

मंडावा में सतर्कता समिति की बैठक, दो शिकायतें मिली, अधिकारियों को समाधान के निर्देश

निसं

मंडावा (नवयत्न)। उपखंड कार्यालय में बुधवार को उपखंड स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की मासिक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम एवं उपखंड मजिस्ट्रेट विश्वामित्र मीना ने की। बैठक में विभिन्न शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों की जांच रिपोर्ट और परिवादियों की बात सुनने के बाद समिति सदस्यों ने चर्चा कर निर्णय लिए। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलने का मामला सामने आया।

नयाबास बिरमी निवासी शिवपाल ने शिकायत दी थी। मामले में तहसीलदार बिसाऊ पवन कुमार मीणा से आवश्यक कार्रवाई और तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई। विभागीय अधिकारी ने योजना का लाभ जल्द दिलाने का आश्वासन

दिया। लाभ अभी तक नहीं मिलने के कारण समिति ने प्रकरण को लंबित रखने का निर्णय लिया। दूसरे मामले में स्कूल भवन के प्रवेश द्वार के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन और ट्रांसफार्मर को हटाने की मांग की गई। बैठक में बताया गया कि विद्युत विभाग की ओर से अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। विभागीय अधिकारी ने बिजली लाइन जल्द शिफ्ट कराने का आश्वासन दिया। समिति ने कार्रवाई पूरी नहीं होने के कारण इस प्रकरण को भी लंबित रखने का निर्णय लिया। बैठक में तहसीलदार मंडावा सुरेंद्र कुमार, तहसीलदार बिसाऊ पवन कुमार मीणा, बीसीएमओ संजीव कुमार, सहायक विकास अधिकारी राकेश कुमार जानू, ब्लॉक समाज कल्याण अधिकारी सुनीता धायल, विद्युत विभाग के एईएन संजेश मील, राहुल अचरा, मंडावा नगरपालिका से सुरजीत यादव सहित पुलिस अधिकारी और समिति सदस्य मौजूद रहे।

गोरखनाथ मंदिर में श्रावण मास में हो रहा रामायण पाठ

टमकोर (नवयत्न)। टमकोर स्थित गोरखनाथ मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर नवनिर्मित शिव मंदिर प्रांगण में रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक पंडित चतुर्भुज पुरोहित द्वारा रामायण पाठ का वाचन किया जा रहा है। पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। मंदिर परिसर में श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार की रात्रि को भगवान शिव के भजनों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव से शामिल होकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं। रामायण पाठ का समापन 28 अगस्त को पूर्णिमा के अवसर पर होगा। समापन कार्यक्रम के दौरान हवन का आयोजन किया जाएगा तथा शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा।

पौधरोपण कर मनाई दिल्ली संस्थापक महाराजा अनंगपाल सिंह तंवर की जयंती

हरीश देवंदा

नीमका थाना (नवयत्न)। प्रताप छात्रावास में बुधवार को हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर दिल्ली के प्रतापी राजपूत शासक महाराजा अनंगपाल सिंह तंवर की जयंती पूरे उत्साह व गौरव के साथ मनाई गई। भाजपा किसान मोर्चे के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दिशा समिति सदस्य रघुवीर सिंह तंवर भूदौली के नेतृत्व में आयोजित इस गरिमामय समारोह में महाराजा की भव्य प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की गई। देशभक्ति के नारों से गुंजायमान इस कार्यक्रम में वीर चक्र विजेता जयराम सिंह, पूर्व पुलिस उपाधीक्षक वीपी सिंह तंवर, कैप्टेन जय सिंह तंवर, डॉ गोपाल सिंह तंवर, विजय सिंह गौरधनपुरा, करतार सिंह तंवर आदि मौजूद रहे। इतिहास को नमन करने के साथ ही इस शुभ दिन को सार्थक बनाते हुए उपस्थित जनसमूह ने परिसर में सघन वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। महाराजा अनंगपाल सिंह तंवर चंद्रवंशी राजपूत राजवंश के एक अत्यंत पराक्रमी राजा थे, जिन्हें 11वीं शताब्दी में आधुनिक दिल्ली को बसाने व वहां लालकिला का निर्माण करने का ऐतिहासिक श्रेय प्राप्त है। महाभारत के महायोद्धा अर्जुन के वंशज महाराजा अनंगपाल सिंह तंवर की विरासत का विस्तार राजस्थान के ऐतिहासिक तंवरावटी पाटन साम्राज्य तक रहा है।

बेटियों को स्टेशनरी वितरित

कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। कस्बे के पीएमश्री श्रीकृष्ण परिषद् राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह ढ़ांढणिया परिवार व श्री किशन बिलोटिया द्वारा बुधवार को स्कूल की छात्राओं को स्टेशनरी वितरित की गई। डॉ अनिल शर्मा अनमोल ने बताया कि संस्था प्रधान सुमन वर्मा की अध्यक्षता एवं रघुनंदन शास्त्री व महेश ड्रोलिया के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्टेशनरी पाकर सभी बेटियां बड़ी खुश नजर आ रही थी। इस अवसर पर अनुजा, मनीषा सैनी, कुसुमलता, लक्ष्मण राम धायल, मनोज

कुमारी, प्रतिज्ञा, कविता, विमला, मंजू, मिंटू, लक्ष्मी, माया, सुनीता, विजेंद्र सिंह सहित विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनिल अनमोल ने किया।

कार्यालय पंचायत समिति झुंझुनूं जिला झुंझुनूं (राज.)

क्रमांक :- 3571-74 दिनांक:- 12/08/2026

निविदा सूचना संख्या- 18-21/2026-27

पंचायत समिति झुंझुनूं क्षेत्र में ग्राम पंचायतों में एसएफसी योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्यों हेतु निर्माण विभाग में पंजीकृत इच्छुक संवेदकों से ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 19.08.2026 दोपहर 1:00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का अन्य विवरण वेबसाईट (http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल लागत राशि रूपये 3.50 लाख है।

NIB Code: ZJU2627A0558, ZJU2627A0559, ZJU2627A0560, ZJU2627A0561
UBN:- ZJU2627WSOB01110, ZJU2627WSOB01113
ZJU2627WSOB01116, ZJU2627WSOB01117

विकास अधिकारी
पंचायत समिति झुंझुनूं

हरियाली अमावस्या पर स्कूली बच्चों को कराया भोजन, कठपुतली नृत्य ने मोहा मन

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयत्न)। हरियाली अमावस्या के अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के भोजन वितरण अभियान के द्वितीय चरण के तहत लोसल इकाई की ओर से राजकीय घोड़ेला विद्यालय, लोसल में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों को एक साथ बैठाकर पारंपरिक तरीके से प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। बच्चों ने उत्साह और आनंद के साथ भोजन ग्रहण किया। भोजन के बाद बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ उन्हें राजस्थान की लोक संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से पारंपरिक कठपुतली नृत्य का प्रदर्शन किया गया। रंग-बिरंगी कठपुतलियों के माध्यम से प्रस्तुत ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक कार्यक्रम देखकर बच्चे बेहद प्रफुल्लित नजर आए। कठपुतली नृत्य ने बच्चों को राजस्थान की समृद्ध लोक कला और सांस्कृतिक परंपराओं से भी रूबरू कराया। इस अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर सेवा ट्रस्ट लोसल के प्रभारी बाबूलाल शर्मा, उपप्रभारी सुशील कुमार शर्मा, ट्रस्ट सदस्य भवानी शर्मा, प्रवीण मिश्रा, प्रदीप मीणा, प्रदीप स्वामी, लकी एवं विजेंद्र ढाका सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के संस्था प्रधान मोतीलाल ने लोक सेवा ज्ञान मंदिर सेवा ट्रस्ट लोसल की ओर से किए गए सेवाभावी प्रयास की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बच्चों के बीच इस प्रकार के आयोजन न केवल उन्हें अपनत्व का एहसास कराते हैं बल्कि शिक्षा के साथ हमारी लोक संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का भी कार्य करते हैं। उन्होंने ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का साधुवाद करते हुए आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट कार्यकर्ताओं ने कहा कि सेवा का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं बल्कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना और उन्हें समाज एवं संस्कृति से जोड़ना भी है। भविष्य में भी ऐसे सेवा एवं संस्कारमूलक कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

वाटर कूलर का उद्घाटन एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनड़ा में भामाशाह द्वारा भेंट किए गए वाटर कूलर का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तारानगर एमडीएम पर प्रियंका कडेन्ना एवं भामाशाह यासीन हिसारिया तारानगर ने वाटर कूलर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भामाशाह यासीन हिसारिया व भामाशाह प्रेरक बलवान सिंह नेहरा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एसीबीईओ संजय कुमार शर्मा, आरपी भोजराज, विद्यालय की प्रधानाचार्य तारा देवी बुनकर तथा प्रेरक सहित अनेक गणमान्य नागरिक, स्टाफगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन मंगल सिंह कड़वासरा द्वारा किया गया। इस आयोजन के दौरान बक्ताओं ने विद्यालय विकास में भामाशाहों के योगदान की सराहना की और छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएँ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग, आदिवासी समाज ने सौंपा ज्ञापन

हर्ष सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष रतन मीना जोधपुरा के नेतृत्व में आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि 17 नवंबर 1913 को गोविंद गुरु के नेतृत्व में करीब डेढ़ लाख आदिवासी औपनिवेशिक अत्याचार, अनुचित करों और जबरन बंधुआ मजदूरी के विरोध में मानगढ़ धाम पर एकत्रित हुए थे। इस दौरान निहत्थे आदिवासियों पर गोलियां चलाई गईं, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी शहीद हुए थे। समाज के लोगों ने इसे जलियांवाला बाग हत्याकांड से पहले हुआ भीषण नरसंहार बताते हुए मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की मांग की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष बनवारी लाल मीना, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष रामचंद्र मीना, जिला प्रवक्ता एडवोकेट धर्मवीर मीना, उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह मीना भीमसर, रोहिताश मीना भौड़की, दयानंद मीना, ओमप्रकाश मीना, राजेश मीना, जयपाल सिंह मीना, नवीन मीना, कृष्णकांत मीना सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

आगजनी, सम्पति तोड़फोड़ व मारपीट के प्रकरण एक गिरफ्तार

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय पुलिस टीम ने आगजनी, सम्पति तोड़फोड़ व मारपीट के प्रकरण में आदतन अपराधी करतारसिंह को प्रोटेक्शन वारण्ट पर गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि राजकुमार पुत्र शिशपाल जाट ए निवासी वार्ड नम्बर 03 की रिपोर्ट दी कि 30 जुलाई मध्य रात्रि करीब 1 बजे लगभग गाडी में सवार कतार सिंह, दिनेश नाविपुरा, पंकज रेवाड़ व अन्य व्यक्तियों द्वारा हमारे घर के आगे से चकर लगा कर डराने की कोशिश की उसके बाद मध्य रात्रि करीब 2 बजे के बाद हमारे होटल न्यू फौजी होटल सुजानगढ़ रोड रतनगढ़ पर उक्त वर्णित व्यक्ति आये और होटल के बाहर खड़ी गाड़ी बोलेरो कैंपर में पट्रोल छिड़क कर आग लगा कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस कार्यवाही प्रकरण दर्ज होने होने के उपरान्त प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम आईपीएस के आदेशानुसार सतपाल सिंह अति पुलिस अधीक्षक सेक्टर सुजानगढ़ व इनसार अली आरपीएस वृताधिकारी रतनगढ़ के निकटतम सुपरविजन व सन्दीप कुमार पुनि थानाधिकारी के निर्देशन में टीम गठित कर प्रकरण में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु विभिन्न संदिग्ध एवं संभावित स्थानों पर दबीश दी गई। दौराने गश्त एवं नाकाबन्दी आरोपी करतार सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह राजपूत निवासी गांव जान्दवा पीएस रतनगढ़ को 4 अगस्त को अवैध 1 देशी कटटा 12 बोर व 1 जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

महावीर इंटरनेशनल ने लगाए 100 पौधे

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महावीर इंटरनेशनल झुंझुनू की ओर से बुधवार को नरसिंहपुरा टोल टैक्स के पास पौधारोपण किया गया। वीर राकेश झाझड़िया के सौजन्य से अशोक, आम एवं नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के करीब 100 बड़े पौधे लगाए गए। कार्यक्रम महावीर इंटरनेशनल झुंझुनू के अध्यक्ष वीर सत्यदेव दड़िया के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में वीर राजेश आहलूवालिया, वीर पुष्कर दत्त जांगिड़, वीर मदन सिंह प्रेमी, डॉक्टर मनोज सिंह, सदरूद्दीन चोपदार, कैलाशदान बारहट, कैलाश सैनी, फूलचंद सहित अन्य सदस्य एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। संस्था द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगातार पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, ताकि क्षेत्र में अधिक से अधिक हरियाली विकसित की जा सके। इस अवसर पर अध्यक्ष वीर सत्यदेव दड़िया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। संस्था का प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं और उनके पेड़ बनने तक नियमित रूप से उनकी देखभाल एवं संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों का संरक्षण करना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। महावीर इंटरनेशनल के इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और समाज के अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना है।

गुढ़ा कॉलेज में तिरंगा उत्सव और पौधरोपण

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। सेठ श्री केदारनाथ मोदी राजकीय महाविद्यालय, गुढ़ा में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'हरियालो राजस्थान' एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण और 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा रैली आयोजित की गई। एनएसएस प्रभारी नवीन कुमार एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. बंशीलाल के मार्गदर्शन में महाविद्यालय परिसर में नीम, करंज, अशोक, आम और जामुन सहित छायादार एवं औषधीय प्रजातियों के 60 से अधिक पौधे लगाए गए। इस दौरान नवीन कुमार ने कहा कि पेड़ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ हमें प्रकृति से भावनात्मक रूप से भी जोड़ते हैं। इसके बाद आयोजित तिरंगा रैली में स्वयंसेवकों ने राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' का संदेश दिया। प्राचार्य डॉ. अनीता झाझड़िया ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता, गौरव और स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. सरोज नैनीवाल, डॉ. जितेंद्र डी. सोनी, डॉ. सुशील कुमार शर्मा, डॉ. कुलदीप ढाका, डॉ. नरेश कुमार एवं डॉ. सुमन सैनी सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

भाई की पुण्य स्मृति में वर्मा परिवार ने गौशाला में बनवाए टीन शेड

निसं

मंडावा (नवयत्न)। श्री सम्राट सिद्धि विनायक मंदिर परिसर में बाल योगी सूरज दास जी का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुरारी लाल वर्मा एवं तारा वर्मा ने अपने भाई की पुण्य स्मृति में गौशाला परिसर में 50 बाय 50 आकार के तीन शेड बनवाने की घोषणा की। वर्मा परिवार की ओर से गौवंश के चारे एवं खल के लिए 11 हजार रुपये की राशि भी भेंट की गई। इस अवसर पर अरविंद पारीक, मधु खेमानी, किशोर सिंह राठौड़, विनोद दलोईवाला, समिति अध्यक्ष किशोर चौहान, जेपी सोनी, रविंद्र शर्मा, विक्रम, वंश माथुर, मोहन जाट, शारदा देवी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। गौशाला के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र शर्मा ने बताया कि वर्मा परिवार द्वारा गौसेवा के लिए किए गए इस सहयोग से गौशाला की व्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी।

गणेश महोत्सव की तैयारियों को लेकर साधारण सभा की बैठक आयोजित

निसं

मंडावा (नवयत्न)। गणेश सेवा समिति की साधारण सभा की बैठक बुधवार को गणेश मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में गणेश महोत्सव के आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। वहीं आयोजन को बेहतर बनाने के लिए उपस्थित लोगों से सुझाव भी लिए गए। बैठक में फैसला लिया गया कि 14 सितंबर को सुबह 11 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा माता के मंदिर से रवाना होकर हाईलैंड मार्ग, मैथलिया टंकी, मुख्य बाजार, फतेहपुर स्टैंड एवं फतेहपुर मार्ग होते हुए वापस मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। यात्रा में कनिका सैन एंड पार्टी द्वारा नृत्य-नाटिका, डीजे तथा कलश लेकर मंगल गीत गाती महिलाएं शामिल होंगी। इसी दिन गणेश प्रतिमा की स्थापना एवं पूजा-पाठ का आयोजन होगा। प्रतिदिन पूजा के बाद आरती की जाएगी। रात 8 बजे से संतश्री काठावा नाथ जी महाराज के श्रीमुख से भजन संध्या आयोजित होगी। 15 सितंबर को शिक्षण संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का क्वालीफाई राउंड, 16 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम का सेमीफाइनल राउंड तथा 17 सितंबर को मंजु सपेरा एंड पार्टी जयपुर की प्रस्तुतियां भी होंगी। बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई।

400 साल पुराने मंदिर कह जमीन पर बवाल, महंत ने भाई को दत्तक पुत्र बताकर बेच दी मंदिर की जमीन!

ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर, रजिस्ट्री-नामांतरण रद्द करने की मांग, चारणवास गांव बिहारीजी मंदिर से जुड़ा है मामला

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। प्रतापपुरा पंचायत के चारणवास गांव में करीब 400 साल पुराने बिहारीजी मंदिर की जमीन को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मंदिर के महंत जगदीश दास ने अपने सगे भाई को दत्तक पुत्र बताते हुए मंदिर की करीब सात बीघा जमीन उसके नाम रजिस्ट्री कर दी। जमीन का नामांतरण भी कराए जाने का आरोप है। जमीन पर निर्माण शुरू होने के बाद ग्रामीणों को मामले की जानकारी मिली। बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण झुंझुनूं पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर रजिस्ट्री व नामांतरण निरस्त करने तथा जमीन मंदिर के नाम दर्ज करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर के महंत जगदीश दास ने अपने सगे भाई को दत्तक पुत्र बताते हुए मंदिर की करीब सात बीघा जमीन उसके नाम रजिस्ट्री कर दी। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पंकज गुर्जर ने बताया कि बिहारीजी मंदिर गांव बसने के समय से ही मौजूद है और मंदिर में गुरु-चेला परंपरा रही है। मंदिर की सेवा करने वाले व्यक्ति को मंदिर के अधीन आने वाली जमीन को जोतने -जुतवाने और उससे होने वाली उपज से जीवनयापन करने की परंपरा रही है।

ग्रामीणों ने पुराने दस्तावेजों में जमीन मंदिर के नाम दर्ज होने का दावा किया है। ज्ञापन देने वालों में कांतिवाल, नाहर सिंह, पंकज गुर्जर, रोताश मेहन, कुलदाराम गुर्जर, विजेंद्र निर्मल, अनिल गुर्जर, वीरेंद्र गुर्जर राहुल गुर्जर, अंकित रबारी, महेश शर्मा, सुल्तान गुर्जर, प्रदीप गुर्जर समेत अन्य मौजूद थे।

रजिस्ट्री में दिल्ली का पता, गवाह भी दिल्ली के बताए

पंकज गुर्जर ने आरोप लगाया कि जमीन के संबंध में हुई रजिस्ट्री में खरीदार का पता दिल्ली का दर्ज है। रजिस्ट्री में गवाह भी दिल्ली के बताए गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से रजिस्ट्री और नामांतरण से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच कराने तथा जमीन की स्थिति पूर्ववत करने की मांग की है।

2002 के विवाद का भी दिया हवाला

ग्रामीणों ने मंदिर की जमीन को लेकर वर्ष 2002 में हुए पुराने विवाद का भी हवाला दिया। पंकज गुर्जर ने बताया कि उस समय भी कुछ लोगों द्वारा मंदिर की जमीन पर कब्जे की कोशिश किए जाने का आरोप लगा था। विवाद बढ़ने पर संघर्ष की स्थिति बनी थी। ग्रामीणों के अनुसार उस दौरान कुछ लोगों को चोटें आई थीं और कुछ लोगों को जेल भी जाना पड़ा था। ग्रामीणों ने कहा कि वे ऐसी स्थिति दोबारा नहीं चाहते, लेकिन मंदिर की जमीन को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उनका कहना है कि प्रशासन दस्तावेजों की जांच कर जमीन को लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे।

ग्रामीण बोले- कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे

ग्रामीण नाहरसिंह गुर्जर ने बताया कि गांव के सभी लोग कलेक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे हैं। प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को व्यापक किया जाएगा। नाहरसिंह गुर्जर के अनुसार पहले गांव स्तर पर आंदोलन होगा। इसके बाद पूरी पंचायत और जिले के लोगों को शामिल कर कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की जमीन मंदिर की ही रहनी चाहिए और प्रशासन को दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

श्मशान भूमि की चारदीवारी निर्माण कार्य का हुआ उद्घाटन

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय वार्ड संख्या 45 में विधायक कोटे से 10.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित खटीक समाज की श्मशान भूमि की चारदीवारी निर्माण कार्य का उद्घाटन विधायक पूसाराम गोदारा ने किया। इस अवसर पर वार्डवासियों एवं समाज के लोगों ने विधायक का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश प्रसाद सामरिया ने की। इस अवसर पर विधायक गोदारा ने कहा कि क्षेत्र का समुचित विकास तथा प्रत्येक वर्ग की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। श्मशान भूमि की चारदीवारी का निर्माण लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता थी, जिसे विधायक कोटे से पूरा करवाया गया है। उन्होंने कहा कि विकास किसी एक वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि समाज के सभी वर्गों को समान रूप से सुविधाएं मिलनी चाहिए। विधायक ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी क्षेत्र में पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित जनहित के विभिन्न कार्य करवाए गए हैं। साथ ही विधायक ने खटीक श्मशान भूमि में अन्य विकास कार्य करवाने के लिए 10 लाख रूपये की मौके पर ही घोषणा की गई। नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनावों को लेकर विधायक ने कहा कि सरकार चुनाव करवाने से बचना चाहती थी लेकिन न्यायालय के दबाव में चुनाव करवाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी नगर निकाय चुनाव कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। पार्टी द्वारा जिताऊ और टिकाऊ उम्मीदवारों की समीक्षा के बाद ही टिकट दिए जाएंगे। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए रतनगढ़ में कांग्रेस का बोर्ड बनेगा और बोर्ड के माध्यम से आमजन के कार्य प्राथमिकता से करवाए जाएंगे। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान गिरधारी लाल बांगड़वा, अरविंद चाकलान, सुरेंद्र हुड्डा, भंवर जसेल, मुख्तयार खान ने भी कांग्रेस पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ने एवं कांग्रेस का बोर्ड बनाने पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान भागीरथ खीचड़, जगदीश सोनी, कयूम गौरी, संदीप भार्गव, अब्बास गौरी, जाकिर हुसैन, मनीराम पंवार, डूंगरमल सामरिया, किशन सांखला, ओमप्रकाश खींची, रामचंद्र दायमा, ओम सांखला, प्रहलाद बागोरिया, रेवतमल तोसावड़ा, कालूराम तोसावड़ा मिस्त्री सहित वार्डवासी एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

नंदीशाला में गौसेवा, गौवंश को खिलाया चारा व हरी सब्जियां

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। लायंस क्लब झुंझुनूं जीवन की ओर से बगड़ रोड स्थित नंदीशाला में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गौवंश को चारा एवं हरी सब्जियां खिलाकर सेवा की गई। कार्यक्रम की संयोजक एवं प्रायोजक लायन डॉ. संगीता मूंड ने बताया कि क्लब की ओर से निरंतर सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाजसेवा के साथ गौसेवा को भी प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में लायन रणवीर सिंह गोदारा, लायन महेंद्र चौधरी एवं लायन रामकुमार झाझड़िया सहित क्लब के सदस्य मौजूद रहे। क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन डॉ. मुकेश एस. मूंड ने कार्यक्रम की संयोजक एवं प्रायोजक डॉ. संगीता मूंड सहित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

14 को तिरंगा रैली, 15 अगस्त को पौधारोपण

क्लब अध्यक्ष ने बताया कि आगामी सेवा गतिविधियों के तहत 14 अगस्त को शहीद पार्क से कर्नल जेपी जानू स्कूल तक 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत तिरंगा रैली निकाली जाएगी। वहीं 15 अगस्त को झुझार सिंह सर्किल पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रायोजक लायन ओमप्रकाश मूंड होंगे। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब झुंझुनूं जीवन की ओर से भविष्य में भी विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190